आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594
वर्ष-11 । अंक 131 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शुक्रवार, 16 मई, 2025

भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर 5 दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का यू-टर्न : पहले कहा था युद्धविराम कराया

अब बोले- मैंने सिर्फ मदद की

एजेंसी ● दोहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 5 दिन बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है। ट्रम्प ने कहा, 'मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सेटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हमले हो सकते थे। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागनी शुरू कर दी, लेकिन हमने सब सेटल कर दिया।'

ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था, 'मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं।' मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया। मैंने दोनों से व्यापार को लेकर बात की। मैंने कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान बहुत खुश था, भारत बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे सही रास्ते पर हैं।

उन्होंने कहा, वे (भारत-पाकिस्तान) बीते 1000 साल से लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि मैं समझौता करा सकता हूं। और मैंने समझौता करा दिया। मैंने कहा कि मुझे इसे निपटाने दो। चलो, उन सभी को एक साथ लाते हैं। आप एक हजार सालों से लड़ रहे हैं और कितना लड़ते रहेंगे। मैं समझौते को लेकर आश्वस्त नहीं था। ये बहुत मुश्किल था। वे लंबे समय से लड़ रहे थे। यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने जा रहा था।'

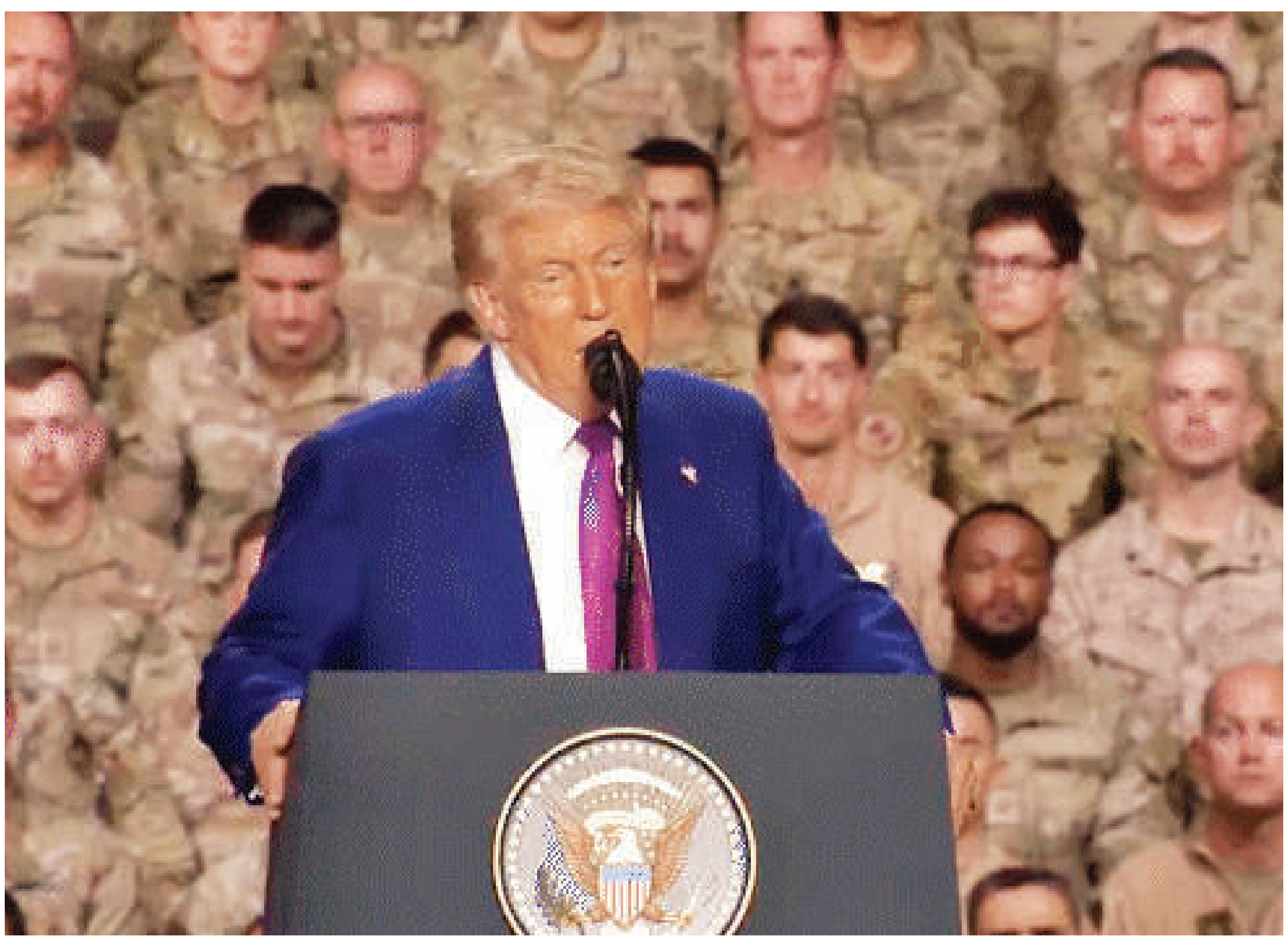

ट्रम्प के भारत-पाक सीजफायर पर 4 दावे

13 मई- सीजफायर के लिए मैंने बिजनेस का इस्तेमाल किया
दोनों देशों के बीच सीजफायर में मध्यस्थता के लिए मैंने काफी हद तक बिजनेस का इस्तेमाल किया। मैंने भारत-पाक से कहा कि चलो दोस्तों, एक डील करते हैं। कुछ बिजनेस करते हैं। परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करते। बल्कि उन चीजों का बिजनेस करते हैं, जिन्हें आप इतनी खूबसूरती से बनाते हैं। मेरा सबसे बड़ा सपना शांति स्थापित करने का है। मैं विभाजन नहीं, एकता चाहता हूं। मुझे युद्ध पसंद नहीं है। शायद हम उन्हें थोड़ा साथ ला सकें। जहां वे बाहर जाकर एक साथ अच्छा खाना खा सकें। उस लड़ाई में लाखों लोग मारे जा सकते थे, जो दिनों दिन बड़ी होती जा रहा थी।

12 मईः हमने भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु जंग रोकी
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाणु जंग रोक दी है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा- अमेरिका ने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में मदद की है। ट्रम्प ने कहा, मुझे यकीन है कि यह सीजफायर स्थायी होगा। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे। पढ़ें पूरी खबर

11 मई- कश्मीर मुद्दे पर हल निकालने की कोशिश करूंगा
मुझे भारत और पाकिस्तान की मजबूत लीडरशिप पर बहुत गर्व है, जिन्होंने ताकत, समझदारी और हिम्मत दिखाकर यह फैसला लिया कि अब मौजूदा तनाव को रोकने का समय है। यह तनाव लाखों लोगों की मौत और तबाही का कारण बन सकता था। लाखों निर्दोष लोग मर सकते थे। मुझे खुशी है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और साहसी फैसले तक पहुंचने में आपकी मदद कर सका। मैं दोनों देशों के साथ व्यापार को बढ़ाने जा रहा हूं। इसके साथ ही, मैं दोनों के साथ मिलकर यह देखने की कोशिश करूंगा कि क्या 'हजार साल' बाद कश्मीर मुद्दे का कोई हल निकाला जा सकता है।

10 मई- मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एम्स में घायल जवानों से की मुलाकात

संवाददाता ● रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया और छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेगुट्टा पहाड़ियों में 31 नक्सलियों को मार गिराने के दौरान नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों के घायल जवानों से मुलाकात की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे सुरक्षा बल अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में जाकर उन सुरक्षाकर्मियों से मुलाकात की जो छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेगुट्टा पहाड़ियों में 31 नक्सलियों को मार गिराने के दौरान नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उन्हें विश्वास दिलाया कि देश उन पर भरोसा और गर्व करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वीर जवानों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर लगातार 21 दिनों तक ऑपरेशन चलाकर 31 नक्सलियों को ढेर किया। जवानों के इस शौर्य और साहस पर पूरे देश को गर्व है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घायल जवानों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनका हौंसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवानों के चेहरे पर मुस्कान देखकर गर्व होता है। आपकी भुजाओं की ताकत और साहस को पूरा देश देख रहा है। उन्होंने जवानों के साहस और समर्पण को प्रणाम करते हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उठाए सवाल

एजेंसी ● नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ। अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं।

अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा।

बांके बिहारी मंदिर की धनराशि कॉरिडोर बनाने पर खर्च होगी

यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति

एजेंसी ● नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश सरकार वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर की धनराशि (फंड) का उपयोग कॉरिडोर विकास के लिए कर सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को अनुमति देते हुए कहा कि वह इस धनराशि से कॉरिडोर के लिए मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीद सकती है।

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि जिस भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, उसका मंदिर के देवता के नाम पर पंजीकरण कराना होगा। कोर्ट ने कॉरिडोर के लिए राज्य सरकार की 500 करोड़ रुपये की विकास योजना को ध्यान में रखते हुए बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट की सावधि जमा राशि के उपयोग की अनुमति दे दी। बता दें कि वृंदावन के श्रीबांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण मामले में 20 नवंबर 2023 इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि कॉरिडोर का निर्माण हो, लेकिन इसमें मंदिर फंड का इस्तेमाल न करें। सरकार अपने स्तर से इसका खर्च वहन करे। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार का कहना था कि अगर सरकार अपने खर्च से जमीन खरीदेगी तो उस पर सरकार का मालिकाना हक होगा। इसी प्रकार कॉरिडोर के निर्माण पर सरकार धनराशि खर्च करेगी तो उस पर भी सरकार का ही अधिकार होगा। कॉरिडोर को मंदिर से क्लब किया जा सके और मंदिर प्रबंधन कमेटी इसका संचालन कर सके, इसके लिए जरूरी है कि मंदिर फंड से ही कॉरिडोर का निर्माण कराया जाए।

पांच एकड़ में प्रस्तावित है कॉरिडोर

श्री ठाकुर बांके बिहारी के कॉरिडोर पांच एकड़ में प्रस्तावित है। इसका डिजाइन काशी कॉरिडोर की तर्ज पर तैयार किया है। कॉरिडोर प्रांगण में ठा. श्रीबांकेबिहारी जी से पहले राधागोपाल, राधाबिहारी और केशव-जू सहित गौड़िया मठ का अद्भुत आकर्षण भक्तों के लिए मनोहारी छटा बिखेरने वाला होगा। इतना ही नहीं, प्रस्तावित कॉरिडोर में भक्तों के बैठने के लिए विशाल प्रतीक्षालय, सामान व जूता घर के साथ पेयजल और चिकित्सा सेवा सहित शिशु देखभाल की व्यवस्था का भी प्रावधान है।

सेना प्रमुख ने सैनिकों को दी शाबासी

एजेंसी ● नई दिल्ली

सीजफायर के बाद जम्मू-कश्मीर के पहले दौरे पर गए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर में जमीनी मोर्चे पर पाकिस्तान को पस्त करने वाले बहादुर सैनिकों को शाबासी देते हुए उनकी वीरता को सलाम किया।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में सैनिकों की निभाई भूमिका की विशेष तौर पर सराहना करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि निर्णायक ताकत के साथ किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए सैनिकों को हमेशा तैयार रहने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा यात्रा को संबोधित

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा नया शक्ति संपन्न भारत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आपरेशन सिंदूर रूकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार की शाम भोपाल के रोशनपुरा चौराहे से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न धर्मगुरू, वरिष्ठ सांसद श्री वीडी शर्मा, सांसद श्री आलोक शर्मा, श्री महेंद्र सिंह जी, मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवानदास सबनानी के

अलावा श्री राहुल कोठारी, श्री सुमित पचौरी, श्री रविंद्र यति और अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। हाथों में तिरंगा लिए अनेक समुदायों के प्रतिनिधि, आम नागरिक बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में उत्साह से शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हम सब पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है। भोपाल देश का दिल है। हमारे राफेल ने कमाल कर दिया। भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत का आजादी के बाद यह चौथा युद्ध था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने मिलकर जिस प्रकार का योगदान देकर आजादी के बाद चौथे युद्ध में 4 दिन में पाकिस्तान को धूल चटाने का काम किया, वह अभूतपूर्व है। हमारे देश की सेना ने ऐसा कार्य किया है, जो न भूतो न भविष्यति। पलक झपकने से पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल ने एक के बाद एक बड़े-बड़े एयर वेज को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान को समझ में ही नहीं आया कि वह करे क्या। हमने देखा रात के 11:30 बजे जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने राष्ट्रपति से बात करने गए तो उनकी आवाज नहीं निकल रही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में कोई हमें छेड़ो मत और अगर छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं। यह बदलते दौर का भारत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुश्मनों को जवाब देने में हमारी सेना पूरी तरह सक्षम है और हम कहीं से भी ढूंढकर दुश्मन को मार गिराएंगे। भारत दुश्मन को घर में घुसकर मारेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर स्ट्राइक के रूप में मशहूर हो गया है।

सांसद श्री वीडी शर्मा ने कहा कि तीनों सेनाओं ने आतंकवादियों का खात्मा किया। गत 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद ने पहलगाम में बहनों के सिंदूर मिटाने का कार्य किया था। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के आतंकवादी शिविरों को ध्वस्त कर दिया। सेनाओं के सम्मान में आज भोपाल हाथ में तिरंगे लेकर सड़कों पर निकला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बहनों के सिंदूर का सम्मान सुरक्षित रखने के लिए आतंवादियों को दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढ निकालने का संकल्प लिया। सभी समाजों के धर्मगुरू और नागरिक तिरंगे और सेना के सम्मान में एकजुट हैं।

ग्रीनसेल मोबिलिटी को पीएम ई-बस सेवा स्कीम के तहत सीईएसएल से

472 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों का ऐतिहासिक ऑर्डर मिला

संवाददाता ● भोपाल

ग्रीनसेल मोबिलिटी, भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक मास मोबिलिटी कंपनी, को पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत मध्य प्रदेश में 472 आयशर इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई और उन्हें सड़कों पर चलाने के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) प्रदान किया गया है। ग्रीनसेल मोबिलिटी ने मध्य प्रदेश के 6 शहरों - भोपाल में 100 बसों, इंदौर में 150 बसों, सागर में 32 बसों, जबलपुर में 100 बसों, ग्वालियर में 60 और उज्जैन में 30 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती के लिए वीई कमर्शियल व्हीकल्स (वीईसीवी) के साथ साझेदारी की है।

प्रदान

एवरसोर्स कैपिटल के समर्थन से ग्रीनसेल मोबिलिटी भारत को स्वच्छ इलेक्ट्रिक बसों की ओर ले जा रही है, जिससे पर्यावरण के अनुकूल भविष्य की राह खुली है। कंपनी इन बसों के लिए ज़रूरी चार्जिंग स्टेशन भी बना रही है, ताकि काम बिना रुकावट चले। ग्रीनसेल की 900 इलेक्ट्रिक बसें पहले से ही उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में चल रही हैं। इन नए अनुबंधों से मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भी इलेक्ट्रिक बसों का विस्तार होगा, जिससे भारत में सार्वजनिक परिवहन को इलेक्ट्रिक बनाने और शहरों की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने का उनका लक्ष्य और मजबूत होगा।

इस घोषणा के बारे में, ग्रीनसेल मोबिलिटी के एमडी और सीईओ श्री देवेंद्र चावला ने कहा, 'ग्रीनसेल मोबिलिटी को मध्य प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करने का गर्व है, ताकि राज्य में पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके। ये प्रोजेक्ट्स शून्य-उत्सर्जन वाली इलेक्ट्रिक बसों से यातायात को बेहतर बनाने के हमारे लक्ष्य में एक बड़ा कदम हैं। प्रमुख कंपनियों के साथ साझेदारी और मजबूत वित्तीय योजना के साथ, हम भारत के बढ़ते शहरों में स्वच्छ, कुशल और सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि यात्रियों को बेहतर और भरोसेमंद अनुभव मिले।' वीई कमर्शियल व्हीकल्स के एमडी और सीईओ श्री विनोद अग्रवाल ने

कहा, 'हमें खुशी है कि ग्रीनसेल मोबिलिटी के साथ मिलकर हम पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत आयशर इलेक्ट्रिक बसों की पेशकश कर रहे हैं।

ये बसें भरोसेमंद तकनीक पर बनाई गई हैं और भारत में 1.4 करोड़ किलोमीटर का सफर तय कर चुकी हैं। हमें गर्व है कि ये बसें मध्य प्रदेश में चलेंगी, जो 40 साल से ज्यादा समय से आयशर ट्रकों और बसों का केंद्र रहा है। हम मध्य प्रदेश सरकार और ग्रीनसेल मोबिलिटी को पर्यावरण के लिए बेहतर परिवहन शुरू करने के लिए हमसे जुड़ने के लिए धन्यवाद देते हैं।' पीएम ई-बस सेवा योजना केंद्र सरकार की उस पहल का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य देशभर में 10,000 ई-बसों की तैनाती करना और भारत सरकार के सार्वजनिक परिवहन को इलेक्ट्रिक बनाने के मिशन को समर्थन देना है। वित्त वर्ष 2024-25 में, सीईएसएल (कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड) ने पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत 4,588 इलेक्ट्रिक बसों के लिए टेंडर जारी किया।

ग्रीनसेल मोबिलिटी की अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को शानदार प्रदर्शन और आराम के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो प्रति चार्ज 250 किमी से अधिक की रेंज, फास्ट-चार्जिंग क्षमता, एआई-संचालित ऊर्जा अनुकूलन और शून्य टेलपाइप उत्सर्जन प्रदान करती हैं, जिससे शहरी हवा स्वच्छ रहती है। एयर कंडीशनिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग, सीसीटीवी निगरानी, एर्गोनॉमिक सीटिंग, एयर सस्पेंशन, कम शोर वाला संचालन और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस ये बसें यात्रा का प्रीमियम, सुरक्षित और बेहतरीन अनुभव प्रदान करती हैं।

शॉर्ट न्यूज

खून से सनी मिली युवती अस्पताल में मौत

इंदौर। सिलिकॉन सिटी के बाहर आज सुबह एक अज्ञात युवती खून से सनी हुई हालत में मिली। छात्र संगम उसे अपने साथी की मदद से अस्पताल ले गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र संगम ने बताया कि उसने सुबह 4:20 बजे एक युवती को खून से लथपथ हालत में देखा। फिर अपने दोस्त सोमिल को बुलाया और दोनों मिलकर उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले गए थे। संगम के मुताबिक उसके गले और पैर में चोट के निशान थे। दोनों ने मौके पर मौजूद चौकीदार और अन्य लोगों से युवती की पहचान जानने का प्रयास किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। दोनों ने उसे एम्बुलेंस से बड़े अस्पताल भिजवाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टर ने बताया कि उसके शरीर पर किसी धारदार हथियार के निशान पाए गए हैं।

बाइक पर जा रहा परिवार हादसे का शिकार पति की मौत

इंदौर। देर रात इंदौर से बाइक पर जा रहा एक परिवार सड़क हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में पति की मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल पत्नी और बेटे को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर किया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक हादस से मृतक का नाम जावेस शर्मा निवासी मानपुर है। वे हलवाई का काम करते थे। बताया गया कि कल रात वे पत्नी और तीन साल के बेटे के साथ इंदौर से बाइक पर सवार होकर अपने घर मानपुर लौट रहे थे। इस दौरान रात करीब 9.15 बजे पीथमपुर थाना सेक्टर एक क्षेत्र में संजय जलाशय के समीप किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दंपती और बेटा गाड़ी सहित रोड पर बुरी तरह से फिंका गए और खून से लथपथ घायल काफी देर तक पड़े कराहते रहे। राहगीरों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया।

यात्रियों की सुरक्षा में तत्परता

संदिग्ध गतिविधियों पर आरपीएफ की सक्रिय कार्रवाई

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सघन निगरानी और गश्ती अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा भोपाल रेलवे स्टेशन पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ने की महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई, जो यात्री सामान चोरी करने की नीयत से प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। घटना भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर रात्रि 10 बजे के आसपास की है, जब आरपीएफ आरक्षक कृष्ण कुमार द्वारा दो संदिग्ध व्यक्तियों को यात्रियों के बीच संदिग्ध गतिविधि करते हुए देखा गया। तत्काल सतर्कता दिखाते हुए आरक्षक द्वारा दोनों व्यक्तियों को रोका गया और पूछताछ की गई।

पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान क्रमशः कल्लू खान उम्र - 24 वर्ष और दीवान सिंह सुजान सिंह उम्र - 25 वर्ष के रूप में की गई। पूछताछ के दौरान दोनों के पास किसी भी प्रकार का वैध टिकट या रेलवे परिसर में रहने का अधिकार पत्र नहीं पाया गया। उक्त व्यक्तियों के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 145, 146, 137 तथा 1727/25 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को सख्ती से रोका जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

बिजली कर्मियों से अभद्र व्यवहार न करें मारपीट पर होगी एफ.आई.आर

भोपाल। बिजली के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट/ दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई.आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि प्रायः देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट/ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं। इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाली दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/ कर्मचारियों से दुर्व्यवहार या मारपीट के मामलों को शासकीय कामकाज में बाधा डालने के तौर पर लिया जाकर तुरंत कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि बिजली आपूर्ति के लिए विषम परिस्थिति में निष्ठापूर्वक काम कर रहे अधिकारियों/ कर्मचारियों का मनोबल नीचा करने की इजाजत किसी को भी नहीं दी जा सकती है। जिले के कलेक्टर/पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर किसी भी अप्रिय स्थिति में उनसे आवश्यक सहयोग प्राप्त करें।

'विकसित भारत 2047' की कल्पना में ग्रामीण महिलाओं के लिए

डिजिटल समानता को बनाना होगा केंद्रबिंदु - बिमटेक के राष्ट्रीय सेमिनार में विशेषज्ञों की राय

संवाददाता ● ग्रेटर नोएडा

विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (BIMTECH) ने एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जिसका विषय थाः 'डिजिटल समावेशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनानाः NGOs की भूमिका'। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान wपरिषद (ICSSR) के सहयोग से आयोजित किया गया। wइस सेमिनार में विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, विकास क्षेत्र के पेशेवरों और जमीनी स्तर के सामाजिक परिवर्तनकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि किस प्रकार डिजिटल समानता ग्रामीण भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण को गति दे सकती है।

आयोजन

कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणादायक उद्घाटन भाषणों के साथ हुई, जिनमें डॉ. नीलम गुप्ता (अध्यक्ष एवं CEO, आरोह फाउंडेशन) और श्री मधुबन पांडे (सह-संस्थापक एवं CEO, स्कोर लाइवलीहुड फाउंडेशन) ने अपने विचार साझा किए। मुख्य भाषण में "ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल इक्विटी का महत्व", "वर्तमान सरकारी पहल और नीतियाँ", तथा "डिजिटल समावेशन के सूत्रधार के रूप में एनजीओ" जैसे विषय शामिल थे।

बिमटेक की निदेशक डॉ. प्रवीणा राजीव ने कहाः 'डिजिटल समावेशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना सिर्फ एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे।

सेमिनार में "डिजिटल बाधाओं को तोड़ना : जमीनी अनुभव" विषय पर एक गहन 'फायरसाइड चैट' आयोजित हुई, जिसमें उन ग्रामीण महिलाओं की सच्ची कहानियाँ साझा की गईं जिन्होंने डिजिटल दुनिया की चुनौतियों को पार किया। हैंड इन हैंड इंडिया, रेशम सूत्र, और ग्रामीण फाउंडेशन जैसे संगठनों ने बताया कि कैसे डिजिटल साक्षरता के माध्यम से महिलाएं माइक्रो-उद्यम चला रही हैं, सरकारी योजनाओं तक पहुंच बना रही हैं और बड़े बाज़ारों से जुड़ रही हैं। यह चर्चा डिजिटल उपकरणों की पहुंच से मिली वित्तीय स्वतंत्रता को दर्शाने के साथ-साथ NGOs की डिजिटल मार्गदर्शन में अहम भूमिका को भी रेखांकित करती है।

इसके बाद दो महत्वपूर्ण पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं : 1- "डिजिटल समानता के उत्प्रेरक के रूप में NGOs" – जिसमें NGOs और स्वयं सहायता समूहों द्वारा समुदायों की तकनीकी अपनाने की यात्रा को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। 2- "डिजिटल समावेशन का भविष्यः AI, FinTech और आगे" – जिसमें उभरती तकनीकों जैसे AI-आधारित उपकरण, मोबाइल बैंकिंग, UPI और माइक्रोफाइनेंस ऐप्स के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय पहुँच में आए परिवर्तन पर प्रकाश डाला गया।

प्रत्येक ग्राहक को सशक्त बनाने हेतु पीएनबी ने लॉन्च किया

● "मासिक रिटेल आउटरीच कार्यक्रम"

एजेंसी ● नई दिल्ली

सार्वजिनक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने व्यापक मासिक रिटेल आउटरीच कार्यक्रम की घोषणा की है, यह मई के महीने में 15.05.2025 को आयोजित की जाने वाली एक राष्ट्रव्यापी रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य विभिन्न रिटेल ऋण क्षेत्रों के अनुरूप वित्तीय समाधान पेश करने के लिए पूरे भारत के ग्राहकों तक पहुंचना है।

पीएनबी रिटेल आउटरीच कार्यक्रम एक ही मंच के अंतर्गत व्यापक ऋण समाधानों को एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता हैं, जो प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और न्यूनतम निष्पादन अवधि एवं दस्तावेजीकरण आवश्यकताओं के साथ महत्वपूर्ण वित्तीय उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगा।

ग्राहक विभिन्न प्रकार की विशिष्ट पेशकशों का लाभ उठा सकते हैं

आवास ऋण : ब्याज दरें 7.95% से शुरू हैं और प्रोसेसिंग शुल्क पर 100% की छूट दी जा रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना : ब्याज दरें 6.50% से शुरू होती हैं, जिसका लाभ डिजिटल और ऑफलाइन दोनो तरीकों से उठाया जा सकता है।

कार ऋण : ब्याज दरें 8.30% से शुरू हैं और प्रोसेसिंग शुल्क में 100% की छूट दी जा रही हैं।

शिक्षा ऋण : 860 प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें 7.65% से शुरू। यह कार्यक्रम पात्र ग्राहकों को मौके पर परामर्श, तत्काल पात्रता जांच और सैद्धांतिक स्वीकृति की पेशकश प्रदान करता है। ग्राहक हमारे डिजिटल चैनल अर्थात पीएनबी वन ऐप के माध्यम से आवास ऋण, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, वाहन ऋण और शिक्षा ऋण का लाभ उठा सकते हैं।

इस अवसर पर ग्राहको को संबोधित करते हुए, पीएनबी के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहाः 'हमारा मासिक रिटेल आउटरीच कार्यक्रम पूरी तरह से ग्राहकों को सर्वोपरि रखने से संबंधित है। हमारा उद्देश्य ऐसे वित्तीय समाधान प्रदान करना है जो न केवल वैयक्तिक रूप से प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करता हो, अपितु आसानी से सुलभ भी हों। हमारे प्रयास लोगों तक पहुंचकर उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है, चाहे वह हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हो या किसी नजदीकी शाखा में। हम ग्राहकों की वित्तीय पहुँच को सरल सुगम, और सहायक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

ग्राहक अपनी नजदीकी पीएनबी शाखा में जाकर, पीएनबी वन ऐप का उपयोग करके या बैंक की समर्पित हेल्पलाइन पर संपर्क करके इन विशेष सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप फार्मेसी पाठ्यक्रम में बदलाव पर कार्यशाला संपन्न

संवाददाता ● भोपाल

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 'बैचलर ऑफ फार्मेसी के पाठ्यक्रम संशोधन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप फार्माकोलॉजी विषय के पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे हुआ, जिसमें सेज यूनिवर्सिटी के कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र में डॉ. दीपेन्द्र कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि अब पुराने पाठ्यक्रम को पूरी तरह समाप्त कर नई पीढ़ी के लिए एक नवीन, व्यावहारिक और शोधोन्मुख पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी सत्र से चार नए वैकल्पिक विषयों (इलेक्टिव्स) को भी जोड़ा जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी रुचियों के अनुसार विशेषज्ञता चुनने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला के तकनीकी सत्र का संचालन प्रोफेसर सुमानी ने किया। उन्होंने एन.ई.पी 2020 की अवधारणा और उसके मसौदे पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पहले सेमेस्टर से लेकर चौथे सेमेस्टर तक सभी छात्रों के लिए सामान्य पाठ्यक्रम लागू रहेगा, जिसके बाद पाँचवें सेमेस्टर से वैकल्पिक विषयों का समावेश किया जाएगा।

सातवें और आठवें सेमेस्टर पूरी तरह से छात्र द्वारा चुने गए विषय और अनुसंधान कार्य पर केंद्रित रहेंगे, जिससे छात्र अपने करियर की दिशा तय कर सकें। साथ ही, उन्होंने बताया कि छात्रों के लिए नए क्रेडिट पॉइंट सिस्टम को भी लागू किया गया है, जो उनकी अकादमिक प्रगति को मापने का एक सटीक मानक होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा प्रणाली में लचीलापन, व्यावसायिकता, और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाई गई है। यह नीति छात्रों को बहुआयामी विकास के अवसर प्रदान करती है और उन्हें अपने भविष्य की दिशा चुनने की स्वतंत्रता देती है। इस कार्यशाला का आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण रहा क्योंकि यह न केवल फार्मेसी शिक्षा को अधिक उद्योगोन्मुख और शोध-आधारित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि यह एन.ई.पी 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में संस्थानों की सक्रिय भागीदारी का भी प्रतीक है।

संस्कृत भारती मालवा के प्रबोधन वर्ग का समापन समारोह

निष्ठा, समर्पण ही सच्चे कार्यकर्ता की पहचान : भरत बैरागी

संवाददाता ● इंदौर

किसी भी भाषा की जीवंतता केवल ग्रंथों में नहीं, बल्कि उसके प्रचार-प्रसार, शिक्षण और व्यावहारिक उपयोग में होती है। आज संस्कृत भाषा की मांग सर्वत्र है, बस आवश्यकता है उसके प्रचार प्रचार करने वाले कार्यकर्ताओं की। संस्कृत कार्य दैवीय कार्य है और इस कार्य को जो मन लगाकर और साधना से करते हैं, वे ही कार्यकर्ता कहलाते हैं। निष्ठा, समर्पण ही सच्चे कार्यकर्ता की पहचान है। उक्त विचार संस्कृतभारती के मध्य क्षेत्र संयोजक (मप्र-छत्तीसगढ़) भरत बैरागी ने प्रकट किए।

समारोह

वे संस्कृतभारती मालवा प्रान्त के प्रबोधन वर्ग के समापन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत कोई मात्र भाषा नहीं है – यह भारत की आत्मा है, हमारी संस्कृति की मूलधारा है

और हमारे ज्ञान-विज्ञान की आधारभूमि है। यह वह भाषा है जिसमें वेदों की ऋचाएं गूंजीं, उपनिषदों की विचारधारा जन्मी, और महर्षियों का अमृतवाणी स्वरूप हमारे सम्मुख प्रकट हुआ। भरत बैरागी में संस्कृत के लिए अपने विचार प्रकट किया। उन्होंने बताया यदि आज हमने आने वाली पीढ़ी को संस्कृत की राह नहीं दिखाई तो आने वाले समय में हम गीता और रामायण को भी भूल जाएंगे।

सारस्वत अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. विनायक पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत कार्यकर्ता वह होता है जो न केवल इस भाषा को पढ़ता और पढ़ाता है, बल्कि उसे जीता है। वह श्लोकों को केवल दोहराता नहीं, उनके अर्थों को समाज में उतारता है। वह परंपरा का वाहक होता है, पर साथ ही नवाचार का पथप्रदर्शक भी होता है।ऋग्वेद में कहा गया है —'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्' अर्थात्, 'हम सब मिलकर चलें, एकसाथ बोलें और समान मन से विचार करें।' यह संदेश आज के संस्कृत कार्यकर्ता के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है। मुख्य अतिथि अल्पाइन पब्लिक विद्यालय के निदेशक कमलेश चौहान थे। अध्यक्षता मालवाप्रांत संस्कृतभारती की अध्यक्ष सीमा जिंदल ने की।

प्रान्त मंत्री सुरेंद्र शर्मा और प्रचार प्रमुख अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि संस्कृतभारती मालवा प्रान्त द्वारा संस्कृत संभाषण शिक्षण से संबंधित प्रबोधन वर्ग का आयोजन गत 7 मई से किया जा रहा है। यह पूर्णतः आवासीय वर्ग था। इसमें मालवा प्रान्त के सत्रह जिलों से चयनित 50 वर्गार्थियों ने संस्कृत शिक्षण प्राप्त किया। वर्ग का वातावरण पूर्णतः संस्कृतमय था, जो अपने आप में आश्चर्य की बात थी। वर्ग में न केवल पचास विद्यार्थियों ने अपितु समीपस्थ क्षेत्र से अन्य लोगों ने भी शाम को दो घंटे आकर संस्कृत संभाषण सीखी। कार्यक्रम का प्रास्ताविक भाषण मुख्य शिक्षक गजानन प्रजापति ने किया।

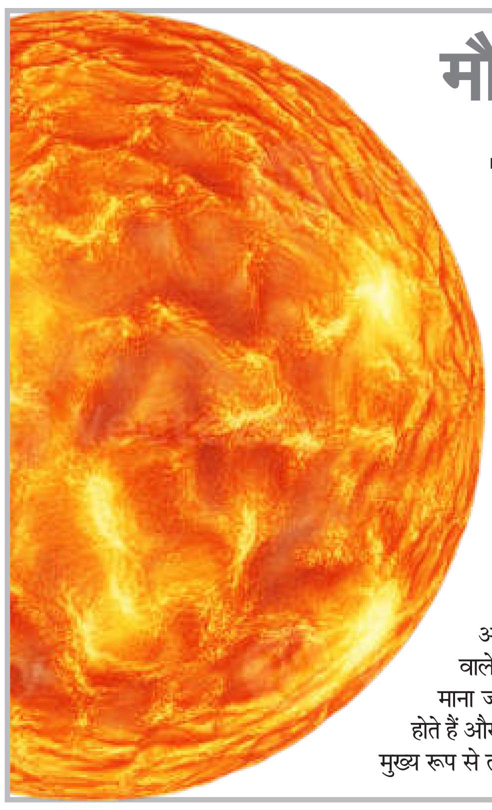

मौसम परिवर्तन के साथ ही कुछ राशि के जातकों को भी होगा विशेष फायदा

सूर्य देव 25 मई को सुबह करेंगे रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश

संवाददाता ● इंदौर

रोहिणी नक्षत्र 25 मई से शुरू होना है। इस दिन सुबह 9:30 बजे के करीब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। जहां एक ओर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने पर सूर्य देव अपने पूरे तेज के साथ गर्मी बरसते हैं वहीं इस वर्ष सूर्य देव का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कुछ विशेष फलदायक रहेगा। इस वर्ष सूर्य देव का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कुछ राशि के जातकों के लिए शुभ और मंगलकारी रहेगा। भागवत मर्मज्ञ आचार्य पं. धीरेंद्र राजोरिया ने बताया कि रोहिणी नक्षत्र को 27 नक्षत्रों में चौथा स्थान प्राप्त है। ये नक्षत्र वृषभ राशि में आता है और इसके स्वामी चंद्र देव हैं। नवग्रहों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले चंद्र ग्रह को सुख, चंचलता, माता, विचार और मन का दाता माना जाता है। जिन लोगों का जन्म रोहिणी नक्षत्र में होता है, वो सुंदर होते हैं और उनका स्वभाव शांत होता है। सूर्य देव का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश मुख्य रूप से तीन राशियों के जातकों में परिवर्तन लाएगा।

युवा वर्ग को करियर में मिलेंगे अवसर

पं. धीरेंद्र राजोरिया के अनुसार रोहिणी नक्षत्र में सूर्य का प्रवेश सबसे पहली राशि अर्थात मेष राशि के जातकों को भरपूर फायदा पहुंचाने वाला है। सूर्य गोचर के शुभ प्रभाव के कारण मेष राशि के जातकों के घर में खुशियों का आगमन होगा। युवा वर्ग अपने करियर को लेकर सीरियस होंगे। नौकरीपेशा जातकों को मनचाही कंपनी से जॉब का ऑफर मिल सकता है। कारोबारी और दुकानदारों को अपने काम पर ध्यान देना होगा। अपनी कमियों पर काम करेंगे तो उसका सकारात्मक प्रभाव मुनाफे पर भी देखने को मिलेगा। इसके अलावा परिवारवालों के साथ घूमने के लिए समय भी निकालेंगे तो अच्छा रहेगा।

बीमारी से देगा छुटकारा

सूर्य का गोचर परिवर्तन कर्क राशि के जातकों के प्रभाव के कारण चेहरे पर निखार आएगा। एलर्जी के कारण परेशान हैं तो बीमारी से छुटकारा मिलेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। जो लोग लंबे समय से एक ही कंपनी में काम कर रहे हैं, उन्हें अब अपनी मेहनत का फल मिलेगा। पद में वृद्धि होने की संभावना है। इसके अलावा बॉस आपको बोनस भी दे सकते हैं।

यश और सम्मान की हो सकती है प्राप्ति

पंडित धीरेंद्र राजोरिया के अनुसार धनु राशि में युवा वर्ग यदि कला के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाते हैं, तो उन्हें यश और सम्मान दोनों की प्राप्ति होगी। विवाहित जातकों का दोस्तों के साथ घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। उम्रदराज जातक परिवार के हर सदस्य के साथ समय बिताएंगे, जिससे उन्हें अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों से अनबन चल रही है तो सूर्य की कृपा तो सूर्य की कृपा से मनमुटाव दूर होंगे।

शॉर्ट न्यूज

सहेली के भाई ने की नाबालिग से छेड़छाड़, रिश्ता भी तुड़वाया

इंदौर। बाणगंगा इलाके में सहेली के भाई द्वारा नाबालिग से छेड़छाड़ करने और उसकी सगाई तुड़वाने का केस सामने आया हैं। आरोपी आते-जाते नाबालिग को परेशान करता हैं। पुलिस के मुताबिक 16 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर आरोपी निवासी टिगरिया बादशाह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मेरी सहेली का भाई जब मैं घर से बाहर जाती तो मेरे पीछा करता व मुझे फ्लाइंग किस करते हुए अश्लील कमेन्टस करता हैं। गत 4 मई को जब मैं घर से बाजार जा रही थी तभी आरोपी मेरे पास आया और छेड़छाड़ की बुरी नियत से मेरा हाथ पकड़कर मुझे बोला कि तूने मुझसे शादी नहीं कि तो मैं तुझे और तेरे होने वाले पति को मार डालूंगा। पीड़िता ने बताया कि मेरी जहां पर सगाई पक्की हो चुकी थी वहां भी मेरे ससुराल पक्ष को फोन करके आरोपी ने गाली-गलौज की और मेरे होने वाले मंगेतर को जान से मारने की धमकी दी।

सहायक खनिज अधिकारी चेनसिंह डामोर की होगी विभागीय जांच

इंदौर। इंदौर जिले में अवैध उत्खनन और राजस्व हानि के संबंध में प्राप्त शिकायत के आधार पर संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर के सहायक खनिज अधिकारी चेनसिंह डामोर के विरूद्ध विभागीय जांच करने के आदेश दिये है। यह जांच अपर कलेक्टर इंदौर को सौंपी गई है और विभागीय जांच कर दो माह में प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए हैं। अवैध उत्खनन, राजस्व हानि तथा जारी किये गये आदेशों को गंभीरता से न लेकर शासकीय कार्य, पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर गत फरवरी माह में सहायक खनि अधिकारी श्री चेनसिंह डामोर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। उनसे प्रत्युत्तर चाहा गया। डामोर व्दारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाये जाने से आरोपों की विस्तृत जांच हेतु उनके विरूद्ध विस्तृत विभागीय जांच संस्थित की गई है। अपर कलेक्टर जिला इन्दौर को प्रकरण का जांचकर्ता अधिकारी बनाया गया है।

स्वास्थ्य शिविर में 80 डॉक्टर करेंगे मरीज का परीक्षण

इंदौर। बाबाश्री पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा शिवोदया वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से 18 मई को सुबह 8.30 बजे से निशुल्क स्वास्थ्य एवं कैंसर जांच शिविर का आयोजन छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री गार्डन पर किया जाएगा। शिविर में अरविंदो हास्पिटल के 80 विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों की जांच आधुनिक उपकरणों की मदद से की जाएगी। ट्रस्ट के प्रमुख जगदीश गोयल एवं सोसायटी की प्रमुख भावना अग्रवाल ने बताया कि राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में इस शिविर में आने वाले जरूरतमंद मरीजों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर, ईसीजी आदि की निशुल्क जांच के साथ ही मोतियाबिंद आपरेशन के लिए मरीजों का चयन भी किया जाएगा और महिलाओं के लिए विशेष रूप से स्तन कैंसर, बच्चेदानी कैंसर आदि की निशुल्क जांच भी होगी। शिविर में दंत रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, चर्मरोग, ईएनटी एवं जनरल फिजीशियन विशेषज्ञ भी अपनी सेवाएं देंगे।

रेन वाटर हॉर्वेस्टिंग के लिए शहर में 300 स्थान पर बनाएंगे रिचार्ज शाफ्ट

इस मानसून सत्र में 25000 स्थान पर बारिश का पानी जमीन में उतारेंगे

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

नगर निगम द्वारा इस साल मानसून के मौसम में 25000 स्थानों पर बारिश के पानी को जमीन में उतारने का काम किया जाएगा। इसके साथ ही शहर में 300 स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट बनाए जाएंगे। निगम द्वारा पिछले साल भूमि में जल पहुंचाने में अच्छा काम करने वालों का 15 मई को सम्मान किया जाएगा।

यह फैसला महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई निगम के प्रमुख अधिकारियों की बैठक में लिया गया। इस बैठक में महापौर ने कहा कि अब हमें मानसून के मौसम में सबसे ज्यादा जोर इस बात पर देना है कि बारिश का पानी ज्यादा से ज्यादा जमीन के अंदर जा सके। इस पानी के जमीन में जाने से जमीन के अंदर का वाटर लेवल अच्छा होता है। नलकूप में पानी की आवक बनी रहती है, जिससे लोगों की पानी की आवश्यकता पूरी होती है। बैठक में यह तय किया गया कि 15 मई को रवींद्र नाट्यगृह में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पिछले वर्ष बारिश के पानी के संग्रहण के कार्य में सराहनीय योगदान देने वाले प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम में व्यापारी एसोसिएशन, मॉल, होटल, मैरिज गार्डन और रहवासी संघ के पदाधिकारियों को बुलाया जाएगा। इसके साथ ही आयुक्त शिवम वर्मा के सुझाव पर यह भी फैसला लिया गया कि जिन कॉर्पोरेट घरानों द्वारा अपने सीएसआर फंड का उपयोग भूमिगत जल स्तर को ऊंचा उठाने में किया गया है, ऐसे सभी कॉर्पोरेट घरानों के प्रमुखों का भी सम्मान किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने जानकारी दी कि इस साल 25000 स्थानों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग का काम करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही 300 स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है।

कचरे के लिए शहरवासी ऑनलाइन मंगा सकेंगे गाड़ी, एप के जरिए होगी बुकिंग

नगर निगम स्वच्छता के लिए नवाचार कर रहा है। इंदौर शहर की सफाई व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी घर-घर कचरा संग्रहण है। इसे ज्यादा मजबूत करने के लिए नगर निगम शहरवासियों के लिए ऑनलाइन कचरा वाहनों की बुकिंग की व्यवस्था करने जा रहा है। इसके लिए एक एप बनाया जा रहा है। बजट में इसके लिए मंजूरी दी गई थी। कंपनी से इस व्यवस्था को जमीन पर लाने के लिए कहा गया है।

स्मार्ट सेवाएं मिलेंगी - मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि ये सभी योजनाएं डिजिटल इंडिया की सोच को साकार करती हैं। इनसे नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और स्मार्ट सेवाएं मिलेंगी, जिससे इंदौर एक बार फिर स्मार्ट सिटी के रुप में देश में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इंदौर में फिलहाल 311 एप पर शहरवासी फोटो अपलोड कर कचरे व अतिक्रमण संबंधी शिकायत करते हैं, लेकिन ऑनलाइन टैक्स जमा करने में परेशानी आ रही है।

ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए समन्वय बैठक

आइटीएमएस सिग्नल को अपग्रेड करने की जरूरत

संवाददाता ● इंदौर

शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आज सीटी बस ऑफिस में कलेक्टर आशीष सिंह और पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा बैठक ली गई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर. पी. अहिरवाल, नगर निगम के अपर आयुक्त नरेंद्रनाथ पांडे, जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान वर्तमान में शहर में लागू यातायात प्रबंधन व्यवस्था की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर बढ़ते यातायात दबाव, ट्रैफिक जाम की समस्या एवं जनसुविधा से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि शहर में ई-रिक्शा का संचालन अत्यधिक मात्रा में हो रहा है, जिससे कई बार यातायात बाधित हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिनमें ई-रिक्शा के संचालन को चिह्नित मार्गों तक सीमित करना और उनके नियमन के लिए संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश शामिल हैं।

कहीं-कहीं बिजली के पोलों को भी करना होगा शिफ्ट

इसके साथ ही शहर में विभिन्न चौराहों एवं ट्रैफिक सिग्नलों पर स्थापित आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता जताई गई। अधिकारियों को सिस्टम की समीक्षा कर जल्द से जल्द सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी बताया गया कि कुछ प्रमुख मार्गों पर विद्युत पोल की शिफ्टिंग आवश्यक है। इस कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। जोन स्तर पर यातायात प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा के दौरान शहर के 8 प्रमुख चौराहों की पहचान की गई, जहां पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। इन चौराहों पर ट्रैफिक को सुगम बनाने के लिए स्थानीय दुकानदारों एवं व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने एवं मार्गों को चौड़ा करने की दिशा में चर्चा की गई। कलेक्टर और पुलिस आयुक्त ने बैठक के अंत में सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि यातायात को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में तेजी लाई जाए ।

25 दिनों के लिए बंद किया खजराना गणेश मंदिर पहुंच रोड

संवाददाता ● इंदौर

खजराना चौराहा से गणेश मंदिर जाने वाला मार्ग आज से 25 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। यह निर्णय नगर निगम द्वारा चौराहा से मंदिर तक सर्विस रोड के निर्माण के मद्देनजर लिया गया है। भक्तों को अब खजराना गांव के रास्ते से जाकर मंदिर तक पहुंचना होगा। क्षेत्र के पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार ने बताया कि खजराना फ्लाय ओवर के निर्माण के साथ-साथ चारों सर्विस रोड का निर्माण किया जाना था,जिसके लिए आईडीए ने नगर निगम को पहले ही राशि प्रदान कर दी थी। हाल ही में ड्रेनेज लाइन और वाटर सप्लाई लाइन की शिफ्टिंग की प्रक्रिया के कारण अब सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।भक्तों को असुविधा न हो,इसके लिए प्रशासन ने व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है।

बाल भवन में स्पोकन इंग्लिश शिविर शुरू

सिलाई-कंप्यूटर प्रशिक्षण भी होगा आयोजित

संवाददाता ● इंदौर

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित संभागीय बाल भवन में बच्चों के समग्र विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियां की जा रही हैं। इसी क्रम में ऑलवेज हैप्पी हेल्पिंग हैंड संस्था के सहयोग से स्पोकन इंग्लिश शिविर लगा है। संस्था की डायरेक्टर साधना टोडी और उनकी टीम ने बाल भवन के सहायक संचालक व्ही.पी.एस. राठौर से मुलाकात कर शिविर को लेकर चर्चा की। चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि अंग्रेज़ी बोलचाल को प्रोत्साहित करने के लिए कल से शिविर की शुरुआत की जाएगी। जल्द ही महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। वर्तमान में संस्था के सहयोग से मेहंदी कला एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविरों का संचालन किया जा रहा है। बाल भवन में नियमित कक्षाएं प्रतिदिन 11 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जा रही हैं।

हर शिक्षित व्यक्ति एक गरीब को शिक्षा देने का प्रण लें तो देश में बदल सकता है शिक्षा का परिदृश्य

मेडिकल एजुकेशन में हमारा देश सबसे पहले बन सकता है विश्व गुरु : डॉ. मिश्र

संवाददाता ● इंदौर

संबोधित

प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. वेद प्रकाश मिश्र ने कहा है कि हर शिक्षित नागरिक एक गरीब व्यक्ति को शिक्षित करने का प्रण लें, तो देश में शिक्षा का परिदृश्य बदल सकता है। हमारे देश की चिकित्सा शिक्षा इतनी बेहतर है कि वह सबसे पहले विश्व गुरु का दर्जा हमें दिला सकती है। डॉ. मिश्रा आज यहां जाल सभागृह में अभ्यास मंडल की 64वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। उनका विषय था शिक्षा का व्यवसायीकरण और वर्तमान चुनौतियां। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जब संविधान का निर्माण किया जा रहा था उस समय पर सबसे पहला प्रश्न यह था कि शिक्षा किसके लिए हो? उस समय पर हमारे संविधान के निर्माताओं ने तय किया कि यह शिक्षा सभी के लिए होना चाहिए। यह शिक्षा जाति, रंग, लिंग, धर्म, पैसा जैसे किसी भी भेदभाव के बगैर दी जाना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 में इस बात के लिए प्रावधान किया गया। इस शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं होगा। हमारे देश में शिक्षा का व्यवसायिकरण कोई अनायास नहीं हो गया है। जब स्थान रिक्त किया गया तो उस स्थान को व्यवसायीकरण के द्वारा भरा गया है। जब देश आजाद हुआ था उस समय पर हमारे देश में साक्षरता की दर 2 टका थी। उस समय पर हमारे देश में 17 मेडिकल कॉलेज चल रहे थे। इन कॉलेज में 960 सीट थी और देश की आबादी 30 करोड़ थी। इससे आप अंदाज लगा सकते हैं कि उस समय पर हमारे देश में 1.02 फीसदी आबादी को उच्च शिक्षा प्राप्त थी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 में देश में पहला शिक्षा आयोग बनाया गया। इसके अध्यक्ष सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। इस आयोग के द्वारा जो अनुशंसा की गई उसमें यह कहा गया कि देश के कुल जीडीपी का 6 फीसदी शिक्षा पर और 6 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च किया जाए।

412 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज...

इसमें 412 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज हैं। देश में 1146 विश्वविद्यालय हैं, इसमें से 85 फीसदी प्राइवेट विश्वविद्यालय हैं। शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र कभी भी चैरिटी के लिए नहीं आता है बल्कि फायदे के लिए आता है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट कॉलेज पहले अनुदान पर चलते थे। फिर बिना अनुदान के चलने लगे और आज कमाने के लिए चल रहे हैं। चुनौतियां कभी भी न तो आसमान से आती है न धरती में से निकलती है वह तो व्यवस्था के माध्यम से निर्मित होती है। अतिथि स्वागत शफी शेख, पुरुषोत्तम वाघमारे, आदित्य सिंह, मिर्जा हबीब बेग, नयनी शुक्ला व मयंक शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन कुणाल भंवर ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह डॉ भरत छापरवाल और राधेश्याम शर्मा ने भेंट किए। आभार प्रदर्शन स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने किया।

गली-मोहल्ले बात चली है, पता चला है...

हर बहस छिड़ी है। चौराहों पर। घरों में। दफ्तरों में भी। हमें तो सिर्फ पीओके यानी पाक अधिकृत कश्मीर ही चाहिए। बस। इससे कम कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।यह सुनते ही उसी चौराहे पर खड़ा दूसरा व्यक्ति कहता है- भाई दो-तीन दिन में तो तुम पड़ोसी के घर पर भी कब्जा नहीं कर पाओगे, वो तो पीओके है! कैसी बात कर रहे हो! जरा सोच-समझकर बोलो! पहले वाला बोला- ठीक है, ठीक है तो कम से कम कुछ दिन लड़ते तो सही, ये बीच में सीजफायर करने की क्या जरूरत थी? अब तीसरा आया मैदान में। बोला- भाई अंतरराष्ट्रीय माहौल, जरूरतें और सिचुएशन भी देखनी पड़ती है। ऐसे चौपाल पर निर्णय नहीं किए जाते। कुछ सोच समझकर ही सीजफायर किया होगा!

पहला व्यक्ति, निराशा के स्वर में- ठीक है भाई तुम सब ठहरे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जानकार। हम तो गांव के गंवार हैं! लेकिन इतना कहे देते हैं कि ये सब पसंद नहीं आया हमको! कुछ तो तगड़ा सबक सिखाना था पाकिस्तान को। चौथा व्यक्ति बोला- सिखाया तो सही, उसके एयरबेस डैमेज किए। चालीस सैनिक मार गिराए। और क्या चाहिए? पहला- हां, तो ये सब कह ही रहे हो! दिखाई कहां दे रहा है? अब दूसरे, तीसरे और चौथे ने एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखा और चल दिए। भाई इस गंवार को समझाना अपने बस की बात नहीं है। पहला चिल्लाया- हां-हां जाओ! मैं अकेला ही काफी हूं। आए बड़े! ये कर दिया, वो कर दिया, बताने वाले! जाओ। अब चौराहे से चलते हैं दफ्तर की तरफ। दो दिन बड़ा उत्साही माहौल रहा। वो मारा। वो पछाड़ा। इतने ड्रोन गिरा दिए।

विमान भी मार गिराया। आतंकी तो सौ से ज्यादा उड़ा दिए। कुछ एयरबेस भी तबाह कर दिए। गजब कर दिया। इस बीच अचानक दफ्तर के टीवी पर ट्रम्प का ट्वीट प्रकट होता है। उसमें कहा जाता है- हमारे अफसरों, प्रतिनिधियों ने रातभर मेहनत की और भारत-पाकिस्तान को सीजफायर के लिए राजी कर लिया। दफ्तर के उत्साही लोग टीवी को छोड़ इधर-उधर हो लेते हैं। कहते हैं- मोदीजी पीओके लिए बिना मानने वाले नहीं हैं। ये ट्रम्प बकवास कर रहा है। ऐसे कैसे सीजफायर हो जाएगा? पाकिस्तान को नेस्तनाबूद किए बिना हम मानेंगे नहीं। हद है! हमारे बीच ये ट्रम्प और ये अमेरिका कहां से आ टपका? हमारी सेनाओं का शौर्य, उनका पराक्रम निश्चित तौर पर महान है। इस सब को हम इस तरह बीच में छोड़ने वाले नहीं हैं। पीओके तो लेकर ही रहेंगे।यह सब चर्चा चल ही रही थी कि भारतीय विदेश सचिव टीवी पर आते हैं और

विमान भी मार गिराया। आतंकी तो सौ से ज्यादा उड़ा दिए। कुछ एयरबेस भी तबाह कर दिए। गजब कर दिया। इस बीच अचानक दफ्तर के टीवी पर ट्रम्प का ट्वीट प्रकट होता है। उसमें कहा जाता है- हमारे अफसरों, प्रतिनिधियों ने रातभर मेहनत की और भारत-पाकिस्तान को सीजफायर के लिए राजी कर लिया। दफ्तर के उत्साही लोग टीवी को छोड़ इधर-उधर हो लेते हैं। कहते हैं- मोदीजी पीओके लिए बिना मानने वाले नहीं हैं। ये ट्रम्प बकवास कर रहा है। ऐसे कैसे सीजफायर हो जाएगा? पाकिस्तान को नेस्तनाबूद किए बिना हम मानेंगे नहीं।

सीजफायर पर सहमति बनने की घोषणा कर देते हैं। दफ्तर में मौजूद तमाम उत्साही चेहरे उदासी का लिबास ओढ़े अपने-अपने कम्प्यूटरों पर खटर-पटर करने लगते हैं। मन ही मन बुड़बुड़ाते हैं। ऐसा कैसे हो सकता है?ये भी कोई बात हुई?खुशी-उदासी के इस भ्रमजाल में एक दिन बीत जाता है। फिर खबर आती है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संदेश देंगे। उदास चेहरे फिर खिलखिला उठते हैं। कहते हैं- अब पाकिस्तान की खैर नहीं। आस-निरास के बीच जैसे ही शाम होती है, ट्रम्प भाई साहब फिर टीवी पर टपक पड़ते हैं। कहते हैं हमने परमाणु हमले टाल दिए। भारत- पाकिस्तान के सामने शर्त रखी कि व्यापार करना है तो युद्ध तुरंत रोको। युद्ध नहीं रोका तो व्यापार बंद।आखिर दोनों मान गए। ट्रम्प की यह बात किसी के गले नहीं उतरी। हर कोई इसे सफेद झूठ ही मान रहा था।

आखिर आठ बजे और हमारे प्रधानमंत्री टीवी पर आए। उन्होंने साफ कहा- भारत किसी परमाणु हमले के नाम पर की जाने वाली ब्लैकमेलिंग को सहन नहीं करेगा। व्यापार का तो सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने साफ किया कि ट्रेड, टॉक और टेररिज्म एक साथ नहीं चल सकते। हम किसी धमकी की परवाह न पहले करते थे और न ही आगे करेंगे। किसी भी तरह के आतंकवाद को सहन करने का सवाल ही नहीं उठता। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा- यदि पाकिस्तान से भविष्य में कोई बात होगी तो या तो आतंकवाद पर होगी या पीओके पर। तीसरा कोई विषय न है, न कभी होगा। ट्रम्प के बयान से उदास लग रहे तमाम चेहरे फिर मुस्करा उठे। लगभग सभी ने एक स्वर में कहा- अब तो पाकिस्तान से पीओके लेकर ही रहेंगे। इससे कम कुछ नहीं। कुछ भी नहीं। जहां तक घरों का सवाल है, उनका तो माहौल ही बदल चुका है। यहां अब टीवी सेट समाचारों के लिए ऑन नहीं हो रहा। यहां साउथ की देखी-दिखाई फिल्मों का स्वाद लिया जा रहा है।ट्रम्प के बयान से उदास लग रहे तमाम चेहरे फिर मुस्करा उठे। सभी ने एक स्वर में कहा- अब तो पाकिस्तान से पीओके लेकर ही रहेंगे। इससे कम कुछ नहीं। कुछ भी नहीं। जहां तक घरों का सवाल है, उनका तो माहौल ही बदल चुका है।

संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध संट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के संट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के संट इग्नाटियस संट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

जो तराशता है उसे खूबी, और जो तलाशता है, उसे खामी नजर आती है

मंगलवार को सीबीएसई की कक्षा 10वीं-12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद जहां तमाम स्कूल अपने-अपने टॉपर छात्रों को सामने रखकर श्रेय लेना चाह रहे थे, वहीं मुंबई में विले पार्ले के उत्कर्ष मंडल मूकध्वनि स्कूल ने कई लोगों का ध्यान खींचा। वो इसलिए नहीं कि यहां के बच्चे टॉपर थे और 100% अंक अर्जित किए हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि उन्होंने परफेक्ट 10 हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया। इस स्कूल में सिर्फ 10 ही छात्र थे और सभी पास हो गए। एक छात्र ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए, छह ने 80% से अधिक, दो ने 70% से अधिक और एक ने 69% अंक प्राप्त किए। आप सोच रहे होंगे कि ऐसी क्या बात थी कि सबका ध्यान इस ओर गया? दरअसल यह स्कूल मूक-बधिर छात्रों के लिए है और सभी छात्रों ने दसवीं की परीक्षा पास की।अब दूसरा उदाहरण लें। स्वच्छ कॉपरेटिव की सदस्य 27 वर्षीय प्रियंका कांबले की कक्षा तीसरी के बाद पढ़ाई छुड़वा दी गई थी। उनकी जल्दी शादी हो गई और वह सोलापुर चली गईं। उन्हें लोग ह्यअनपढ़ह्न कहकर अपमानित करते थे, इसलिए उन्होंने घर छोड़ दिया और इज्जत की रोटी कमाने के लिए पुणे आ गईं। यहां वह कूड़ा बीनने का काम करती, अपने बेटे के लिए खाना बनातीं और फिर दोपहर 2 बजे स्कूल जातीं।

एडिट.नोट

मंगलवार को जारी रिजल्ट में उन्होंने 48% अंक प्राप्त किए और अब आंगनवाड़ी सेविका बनने की इच्छा रखती हैं। अब उनके पड़ोसी और पति उन्हें बधाई दे रहे हैं। इसी तरह, 26 वर्षीय कोमल गायकवाड़, जो कि सिंगल मदर हैं, उन्होंने कभी स्कूल का मुंह तक नहीं देखा था। 20 साल की उम्र में उनकी शादी हुई और ससुराल वालों ने उनकी शिक्षा की कमी के लिए उन्हें ताने मारते थे। जब उनके गर्भ में दूसरा बच्चा था, उनके पति की कोविड से मृत्यु हो गई। अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्होंने पढ़ाई करने का निर्णय लिया और मंगलवार को 58% अंक प्राप्त किए। वह अपनी शिक्षा जारी रखना चाहती हैं और जूनियर कॉलेज में दाखिला लेना चाहती हैं। 17 वर्षीय कावेरी की कहानी भी दिल को छू लेने वाली है। एक साल की उम्र में उसे लावारिस हालत में छोड़ दिया गया था। उम्र बढ़ने के साथ उसके लिए यह पचा पाना मुश्किल होता गया कि वह इस दुनिया में अकेली है।

साल 2021 में उसे पुणे जिले के मुंढवा में एक सरकारी बालिका गृह में शिफ्ट किया गया। शिक्षा के महत्व को समझते हुए, वह वहां की नौ लड़कियों में से एकमात्र थी जिसने एसएससी परीक्षा दी। कावेरी ने 66.6% अंक प्राप्त किए और वह यूपीएससी परीक्षा देकर आईपीएस बनना चाहती है। उसने साबित किया कि सीमित संसाधन दृढ़ संकल्प को नहीं रोक सकते। वह कहती हैं, ह्लमुझे अपने परिवार के बारे में कुछ नहीं पता।मैंने स्वीकार कर लिया है कि मैं अकेली हूं। अब मैं खुश हूं।ह्व इसी तरह 40 वर्षीय सीमा ओव्हाल सरवडे ने भी 55.8% अंकों से एसएससी पास की, जबकि उनके बेटे ने पहले ही दसवीं पास कर ली थी। 25 साल पहले उन्होंने एसएससी दी थी और असफल रहीं। तब उनके पिता बीमार हो गए थे और उन्हें पैसे की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने नर्सिंग कोर्स ज्वाइन करके काम करना शुरू कर दिया।लेकिन शिक्षा के महत्व को समझते हुए उन्होंने इस साल एसएससी परीक्षा देने का निर्णय लिया। देश में ऐसे कई छात्र हैं, जैसे 16 वर्षीय शाहिद पठान, जिन्होंने पूना नाइट हाई स्कूल में 67.2% अंकों के साथ कक्षा में टॉप किया। जीविका के लिए पैसे की जरूरत के कारण वह पूरा दिन सोशल मीडिया वीडियो बनाते और एडिट करते हैं और शाम को स्कूल जाते हैं।

इन सभी छात्रों व उनके जैसे लोगों में कॉमन ये है कि वे अपनी और परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करते हुए शिक्षा के जरिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की आकांक्षा रखते हैं। ये छात्र भले ही तथाकथित रूप से ब्राइट न हों, लेकिन अनपढ़ नहीं रहना चाहते। संसाधनों का रोना रोने के बजाय इन छात्रों ने अपनी खूबियों को तराशने पर काम किया।फंडा यह है कि हर इंसान में ह्यखूबियांह्न और ह्यखामियांह्न दोनों होती हैं, बस फर्क इतना सा है कि जो तराशता है उसे खूबी नजर आती है, और जो तलाशता है, उसे खामी नजर आती है!

मिन्हाज मर्चेंट- लेखक

जरूरी है कि हम युद्ध से हुए रणनीतिक लाभ को न गंवाएं

क्या पाकिस्तान के साथ युद्ध भारत की आर्थिक वृद्धि को धीमा कर सकता था? कई लोगों का यही मानना है। वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के उभरने की सम्भावना हर किसी को पसंद नहीं है। जब भारत ने पाक के प्रमुख सैन्य ढांचे नष्ट कर दिए, तब पाकिस्तान ने संघर्ष-विराम की अपील की। भारत में भी आवाजें उठने लगीं कि पाकिस्तान के साथ युद्ध भारत की आर्थिक प्रगति को रोक सकता है। अपने तर्क को मजबूत करने के लिए पश्चिमी अखबारों का सहारा लिया गया। जबकि युद्ध का दूसरा पहलू यह है कि यह अर्थव्यवस्था को बढ़ावा भी देता है।

दूसरे विश्व युद्ध की वजह से अमेरिका 1929-1939 तक चली महामंदी से उबरा था। जब 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, तो अमेरिकी कारखानों ने न केवल हथियार, लड़ाकू जेट और युद्धपोत बनाने शुरू किए, बल्कि सैनिकों के लिए लाखों वर्दियां भी बनाईं। लॉकहीड मार्टिन, जनरल डायनेमिक्स और रेथियॉन जैसी रक्षा फर्मों की स्थापना के साथ ही यूएस मिलिट्री-इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स (एमआईसी) की शुरूआत हुई। 1940 के दशक में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उछाल आया। तब से, ऐसा कोई दशक नहीं बीता जब अमेरिका किसी युद्ध में शामिल न रहा हो : 1950 के दशक में कोरिया, 1960 के दशक में वियतनाम, 1970 के दशक में मध्य-पूर्व, 1980 के दशक में ईरान, 1990 के दशक में पूर्वी यूरोप, 2000 के दशक में इराक, 2010 के दशक में अफगानिस्तान और 2020 के दशक में गाजा। अमेरिका ने अपनी अर्थव्यवस्था को युद्ध के बल पर ही खड़ा किया है। इसके उलट, भारत का कभी ऐसा इरादा नहीं रहा। पिछले हफ्ते पाकिस्तान से हुए संघर्ष में भारत ने रणनीतिक बदलाव किया। वर्ष 1971 के बाद पहली बार भारत ने घातक हथियारों से पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया।उरी हमले के बाद भारतीय विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा के नजदीक आतंकी शिविरों को नष्ट करने के लिए पाकिस्तानी इलाके में प्रवेश किया था। यह एक सीमित कार्रवाई थी। पाकिस्तान ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

पुलवामा हमले के बाद भारत बालाकोट पर हवाई हमला करके पाकिस्तान में और अंदर तक गया था। तब भारत के पास राफेल 4.5 जनरेशन का फाइटर प्लेन नहीं था। तब हम मिराज 2000 पर निर्भर थे, जिसे अपनी मिसाइलों को लॉन्च करने के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरनी थी। भारत ने पाकिस्तानी गोलाबारी में एक विमान खोया था। लेकिन पिछले हफ्ते के सैन्य अभियान के दौरान भारतीय वायुसीमा में रहते हुए राफेल लड़ाकू विमान से घातक स्कैल्प मिसाइलें दागी गईं।

स्कैल्प की मारक क्षमता 400 किलोमीटर है और यह भारत से पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य को भेद सकती है। संघर्ष के पहले दिन स्कैल्प मिसाइलों ने 9 आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इनमें भारत पर कई हमलों में शामिल मोस्ट-वांटेड भी शामिल थे, जैसे अबू जुंदाल और मोहम्मद यूसुफ अजहर। जब पाकिस्तानी अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए तो यह सच उजागर हो गया कि आतंकवादी पाकिस्तानी सेना का ही अंग हैं। युद्ध हमेशा से ही भारत के लिए अंतिम विकल्प रहा है, जबकि अमेरिका या ब्रिटेन के लिए यह ऐतिहासिक रूप से पहला विकल्प रहा है। युद्ध की कीमत चुकानी ही होती है, फिर वह भौतिक नुकसान हो, या मानवीय क्षति। रूस-यूक्रेन के बीच चार साल से चल रहे युद्ध ने हजारों जानें ली हैं, लेकिन इसने भारी प्रतिबंध झेल रही रूसी अर्थव्यवस्था को बढ़ने में मदद भी की है। युद्ध-अर्थव्यवस्था मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देती है। रूस ने भी प्रतिबंधों को धता बताते हुए तेजी से विकास किया।युद्ध हो या शांति, भारत की आर्थिक उन्नति को धीमा करने में पश्चिम और चीन का निहित स्वार्थ है। चीन भारत के साथ व्यापार करना चाहता है और भारत के बढ़ते उपभोक्ता-बाजार में निवेश करना चाहता है। लेकिन उभरता भारत, बीजिंग के लिए भू-रणनीतिक खतरा है। पश्चिमी देशों का एजेंडा बहुत सूक्ष्म है। वे भारत की भू-राजनीतिक उन्नति से चिंतित जरूर हैं, लेकिन उन्हें चीन के मुकाबले भारत की जरूरत ज्यादा है। हालांकि, अमेरिका यह बिल्कुल नहीं चाहता कि भारत अगला चीन बन जाए। ऐसे में भारत को सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान से संघर्ष में उसे जो रणनीतिक लाभ हुआ है, वह व्यर्थ न जाए।

बिजनेस

शेयर बाजार में मजबूत क्लोजिंग; सेंसेक्स 1200 अंकों तक उछला, निफ्टी 25000 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 प्रतिशत उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ। इसमें 29 शेयरों में तेजी रही। गुरुवार को पहले हाफ में इंडेक्स एक सीमा कारोबार करता दिखा। एनएसई निफ्टी 395.20 अंक या 1.60 प्रतिशत बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 25,062.10 पर बंद हुआ।निवेशकों की चौतरफा खरीदारी और शेयरों में ताजा विदेशी निवेश के चलते गुरुवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 1,200 अंक चढ़ गया। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी सात महीने में पहली बार 25,000 अंक से ऊपर बंद हुआ।

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 प्रतिशत उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ। इसमें 29 शेयरों में तेजी रही। गुरुवार को पहले हाफ में इंडेक्स एक सीमा कारोबार करता दिखा। लेकिन, दोपहर के सत्र में बैंकिंग, ऑटो, आईटी और तेल व गैस शेयरों में तेज बढ़त के बाद इसमें तेजी आई।

सत्र के दूसरे हाफ में सेंसेक्स 1,387.58 अंक या 1.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,718.14 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। एनएसई निफ्टी 395.20 अंक या 1.60 प्रतिशत बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 25,062.10 पर बंद हुआ। 50-अंकों वाला यह सूचकांक इससे पहले 15 अक्तूबर 2024 को 25,000 से ऊपर बंद हुआ था।सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा 4 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ सबसे ऊपर रहा। एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, इटरनल, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस के शेयरों ने भी बढ़त में योगदान दिया। इंडसइंड बैंक एकमात्र शेयर रहा जो कमजोर होकर बंद हुआ।

बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.94 प्रतिशत तथा मिडकैप सूचकांक 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ व्यापक बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। सभी क्षेत्रीय सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जिनमें रियल्टी (1.87 प्रतिशत), ऑटो (1.86 प्रतिशत), सेवाएं (1.85 प्रतिशत), औद्योगिक (1.62 प्रतिशत), धातु (1.60 प्रतिशत), उपभोक्ता विवेकाधीन (1.57 प्रतिशत) और कमोडिटी (1.51 प्रतिशत) शामिल रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी,जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजार मिलेजुले रुख पर बंद हुए।

एफआईआई ने बुधवार को 931.80 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 3.65 प्रतिशत गिरकर 63.68 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 931.80 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। इससे पहले, बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 182.34 अंक या 0.22 प्रतिशत चढ़कर 81,330.56 पर बंद हुआ। निफ्टी 88.55 अंक या 0.36 प्रतिशत बढ़कर 24,666.90 पर बंद हुआ।

राज-काज

शादियों के सीजन में कम हुई सोने की चमक

नई दिल्ली। दुनियाभर के बाजारों में जारी नरमी के चलते बुधवार को एक बार फिर सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 659 रुपये गिरकर 96,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले मंगलवार को सोने की कीमतों में 950 रुपये की बढ़त देखने को मिली थी। वहीं बुधवार को भी चांदी की कीमत 1,450 रुपये गिर गई।ऑल इंडिया सरार्फा एसोसिएशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये की गिरावट के साथ 96,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले कारोबारी सत्र में 97,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।बाजार विषेशज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका के साथ व्यापार समझौते कर रही हैं।

धातुओं की कीमतों से थोक मूल्य सूचकांक पर होगा असर; रुपये की कीमत में आई 32 पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। पाम और रिफाइंड तेल आयात में कमी से वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटकर 8.91 लाख टन रह गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सरसों की पेराई बढ़ने के साथ पाम तेल की मांग में कमी से तीन माह में आयात बहुत कम स्तर पर रहा।एसईए के मुताबिक, नेपाल से रिफाइंड खाद्य तेलों का आयात 60,000 से 70,000 टन मासिक है। इसने भी समग्र आयात और स्टॉक को प्रभावित किया है। अप्रैल में पाम तेल आयात 53 प्रतिशत घटकर 3.21 लाख टन रह गया।

कच्चे पाम तेल का आयात 55 प्रतिशत घटकर 2.41 लाख टन रह गया। सूरजमुखी तेल आयात 23.28 प्रतिशत घटकर 1.80 लाख टन रह गया। दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा लि. को आयकर विभाग से ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया, उससे आयकर उपायुक्त (सेंट्रल सर्कल 29), नई दिल्ली के कार्यालय से आईटी पोर्टल के जरिये 13 और 14 मई, 2025 को ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग की गई। यह मांग आयकर अधिनियम-1961 की विभिन्न धाराओं के तहत किए गए समायोजन और विभिन्न खर्च की अस्वीकृति के कारण है।उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने अमेजन इंडिया और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें अपने मंच से पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूबाय इंडिया, एट्सी, द फ्लैग कंपनी व द फ्लैग कॉरपोरेशन को भी भेजे नोटिस में कहा, पाकिस्तानी झंडों और संबंधित सामानों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने कहा, ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंच ऐसी सभी सामग्री तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, इंदौर (मध्य प्रदेश) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 2,516.2 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार किया है। इसमें वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 का शुद्ध लाभ 188.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 408.4 करोड़ रहा। इस अवसर पर एसपीआईएल के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है।

भारत पाकिस्तान में हुआ तनाव और बर्बाद हो गई यह चाइनीज कंपनी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद पाकिस्तान युद्ध पर अमादा हो गया और बिना किसी आधिकारिक एलान के वह युद्ध के मैदान में उतर गया, हालांकि भारत की लड़ाई आज भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंक के खिलाफ है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जिसमें आतंकियों के करीब 9 ठिकानों को मिट्टी में मिलाया गया।क्ल्र्ल ढ॑२३ल्ल ळील्ल२ङ्कल्लः भारत पाकिस्तान में हुआ तनाव और बर्बाद हो गई यह चाइनीज कंपनी, आखिर क्यों?

संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल से लेकर ड्रोन तक से हमले किए, लेकिन भारतीय डिफेंस सिस्टम ने हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। इस संघर्ष के बीच एक बड़ी चीज देखने को मिली और वो यह है कि संघर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ लेकिन कंपनियां चीन की बर्बाद हो रही हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि इसके पीछे क्या राज है?युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में जहां शानदार हरियाणी देखने को मिली, वहीं चाइनीज स्टॉक मार्केट में तबाही नजर आई, खासतौर पर चाइनीज डिफेंस स्टॉक में। चीन के प्रमुख डिफेंस स्टॉक में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। दरअसल यह पूरा मामला भारत के डिफेंस सिस्टम से जुड़ा हुआ है। चीन की जे-10सी लड़ाकू विमान निमार्ता कंपनी अ५्र ऊँल्लॉ४ अ१्र१३ उङ्क. के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जो करीब 9% लुढ़क गए।वहीं, सैन्य और नागरिक जहाज बनाने वाली चाइना शिपबिल्डर कॉरपोरेशन के शेयरों में 4% से ज्यादा की गिरावट आई। इलेक्ट्रॉनिक डिफेंस उपकरण बनाने वाली ँ४९ङ्क४ ल्लङ्कल्लॉ ए'ी३१ङ्कल्लू२ उङ्क१स्र छ३ कि शेयर भी 6% से अधिक टूट गए। बता दें कि यह कंपनी मिलिट्री डोन भी बनाती है और इसके ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किया जिसे भारत ने नाकाम कर दिया।मिसाइले भी बनाती है और पाकिस्तान ने इसी के बनाए ढछ-15 मिसाइलें दागी जिसे भारत ने आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अपने रक्षा उपकरणों का अधिकांश हिस्सा चीन से आयात करता है। 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के 82% रक्षा आयात चीन से हुए, जो 2009-2012 के बीच के 51% के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

आगरा में ताजमहल के पीछे दशहरा घाट पर एक मंदिर के पुजारी श्रद्धालुओं को चिलचिलाती गर्मी से राहत देने के लिए जल पिलाते हुए।

जो हमारे प्रदेश में एक बार आता है वो वापस नहीं जाता

देश के इन्वेस्टर्स के लिए हमेशा खुले हैं मप्र के दरवाजे : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

बेंगलुरु में आयोजित 'इंवेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश' के इंटरेक्टिव सेशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज की बदलती परिस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ हमारा ध्यान जा रहा है। उनके नेतृत्व में आज जहां देश पहुंचा है वो अकल्पनीय है। उनके नेतृत्व में पता चला कि कुछ ही दिनों के अंदर आप युद्ध भी जीत सकते हैं। हमें हमारी सेना पर गर्व है। उन्होंने कहा कि आज के समय में उद्योग बैठकों की महत्ता है। भारत तो सोने की चिड़िया था। यहां व्यापार, व्यवसाय, धन-संपदा पहले से ही थी। हमको लोग एक हजार साल तक लूटते रहे, लेकिन आज दुनिया में भारत की एक अलग पहचान है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मैं यहां आपसे कहने आया हूं कि आप यहां भी व्यापार करिए और मध्यप्रदेश में भी व्यापार करिए। सीएम यादव ने कहा कि हमने अपनी इंवेस्टमेंट की पॉलिसियों में और बदलाव किए हैं, व्यवस्थाओं में और सुधार किए हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि आपके लिए जो हो सकेगा वो मध्यप्रदेश सरकार करेगी। हमारी सरकार उद्योग-निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है। हमारे पास पर्याप्त जमीन है, बिजली सरप्लस में है। मध्यप्रदेश कई राज्यों को बिजली सप्लाई कर रहा है। हम जब-जब किसी को वचन दिया, तब-तब पूरा किया।

इन्वेस्टर्स को निवेश के लिए किया आमंत्रित

मोहन यादव ने कहा कि हमने अपनी 5300 करोड़ रुपए की देनदारियों को सिंगल क्लिक में वापस किया। हमारी सरकार छोटे से छोटे और बड़े से बड़े निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। एक बार जो मध्यप्रदेश में आता है, वो उसी प्रदेश का हो जाता है। मैं आपकी सभी को निवेश के लिए आमंत्रित करता हूं। सीएम मोहन यादव के संबोधन से पहले कार्यक्रम में मौजूद निवेशकों ने मध्यप्रदेश को और नजदीक से जाना। उन्होंने मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। अधिकारियों ने सभी निवेशकों के सवालों के जवाब दिए और उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश पॉलिसी के बार में समझाया। इस दौरान कई निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश की इच्छा जताई।

शॉर्ट न्यूज

मदद के बहाने तलाकशुदा महिला से किया रेप

भोपाल। हबीबगंज की एक बस्ती में रहने वाली महिला से मोहल्ले में रहने वाले युवक ने नजदीकियां बढ़ाईं। पीड़िता तलाकशुदा है, आरोपी मदद के बहाने उसके घर आता और जाता था। आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाकर महिला के साथ कई बार संबंध बनाए। पिछले दिनों महिला ने शादी करने का दबाव डाला तो युवक ने मना कर दिया। महिला ने कल मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 31 वर्षीय महिला हबीबगंज इलाके की एक बस्ती में रहती है। उसका अपने पति से तलाक हो चुका है। फिलहाल वह मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाती है। पांच साल पहले वह मोहल्ले में रहने वाले एक युवक के संपर्क में आई थी। युवक ने छोटे-मोटे काम में महिला की मदद करते हुए नजदीकियां बढ़ा लीं। इसी दौरान उसने कहा कि वह उससे शादी करेगा तथा उसके बच्चे को भी पालेगा।

मॉक ड्रिल के दौरान बड़ा हादसा

भोपाल। भोपाल की 25वीं बटालियन में मॉक ड्रिल के दौरान बड़ा हादसा हो गया। हैंड ग्रेनेड फटने से दो जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे में एक पुलिसकर्मी की हालत बेहद नाजुक है। दोनों घायलों को इलाज के लिए बंसल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों के नाम प्रधान आरक्षक विशाल सिंह और आरक्षक संतोष कुमार हैं। इसमें विशाल सिंह की हालत नाजुक बताई जा रही है। दरअसल, पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के बाद पुलिस द्वारा लगातार मॉक ड्रिल के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जा रही है। इसी के तहत गुरुवार को 25वीं बटालियन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। इस मॉक ड्रिल के दौरान एक ग्रेनेड फट गया। विस्फोट की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दोनों पुलिस कर्मियों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम इलाज में जुटी है।

101 मंदिरों में करना थी चोरी, 79 में ही पकड़ाया

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के गंजबासौदा में स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने एक ऐसे युवक को पकड़ा है जिसने प्रतिशोध के चलते 101 जैन मंदिरों में चोरी करने का संकल्प लिया था। आरोपी का नाम नीलू है और उसकी उम्र 40 साल बताई गई है। आरोपी नीलू का दावा है कि उसके भाई को झूठे चोरी के केस में फंसाया गया था। इस अपमान से दुखी होकर उसके भाई ने आत्महत्या कर ली। तभी नीलू ने तय किया कि वह समाज से बदला लेगा और 101 जैन मंदिरों में चोरी करेगा। अब तक वह विदिशा, भोपाल, दमोह, रायसेन और इटारसी सहित कई जगहों के 79 मंदिरों में चोरी कर चुका था। 20 दिन पहले ही रायसेन जेल से छूटने के बाद नीलू ने फिर से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। 2 दिन पहले गंजबासौदा के जैन मंदिर से चांदी और पीतल की मूर्तियां चुराईं। पुलिस के पास 30 से ज्यादा एफआईआर दर्ज थीं।

मध्य प्रदेश में 'तुर्की' स्टेशन, अन्य के नाम सुनते ही छूटती है हंसी

संवाददाता ● भोपाल

चर्चा

ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देने की वजह से इस समय तुर्की काफी चर्चा में है। इससे देश भर में नाराजगी है और बड़ी संख्या में लोगों ने पर्यटन के लिए जाने और पहचाने जाने वाले इस देश की बुकिंग तक कैंसिल कर दी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक तुर्की अपने ही देश में भी है। यह सुनकर आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह सच है कि तुर्की मध्य प्रदेश में है। इसी नाम से रेलवे स्टेशन भी है। तुर्की ही नहीं, मध्य प्रदेश में कई ऐसे रेलवे स्टेशन आपको मिल जाएंगे, जिनके नाम सुनकर आप हैरान हो सकते हैं और आपकी हंसी छूट सकती है। विश्वास नहीं हो रहा तो हम बता रहे हैं इन स्टेशनों के नाम। ये स्टेशन हैं करैला, गुर्रा, रोटी, फंदा, कड़कबेल, शनिचरा, बिजरी और ना जाने क्या क्या। अब तुर्की से बात शुरू हुई है तो पहले इसी स्टेशन की बात करते हैं। यह रेलवे स्टेशन पश्चिम मध्य रेलवे में है और सतना से जबलपुर वाले रूट पर करीब 95 किलोमीटर की दूरी पर है।

पश्चिम मध्य रेलवे में ही रोटी और सहेली स्टेशन भी हैं। नागपुर सेंट्रल रेलवे डिवीजन में भोपाल-नागपुर खंड पर होशंगाबाद में हैं। इसी प्रकार छुलहा और चांदनी रेलवे स्टेशन भी मध्य प्रदेश में ही हैं। छुलहा बिलासपुर-कटनी रेल खंड पर है और साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अंडर में है। यह रेलवे स्टेशन अमरकंटक के पास स्थित है। वहीं बुरहानपुर जिले में चांदनी रेलवे स्टेशन मौजूद है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के अनूपपुर में बिजुरी स्टेशन है। यह स्टेशन एमपी से छत्तीसगढ़ (सरगुजा, अंबिकापुर रूट) है। वहीं राजधानी भोपाल के पास फन्दा स्टेशन भी है।यह स्टेशन रतलाम मंडल में आता है।

कड़छा और करैला भी हैं रेलवे स्टेशनों के नाम

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में करैला नाम से एक रेलवे स्टेशन है। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में आने वाले इस स्टेशन पर केवल एक ही प्लेटफार्म है। वहीं उज्जैन के पास रतलाम मंडल का कड़छा स्टेशन है। इसी प्रकार अजीब नाम वाले अन्य स्टेशन काला पीपल, पोला पत्थर भी हैं। इनके अलावा मध्य प्रदेश में ही सोनी, शनिचरा रेलवे स्टेशन भी मौजूद हैं। सोनी भिंड- इटावा रेल रुट पर है तो शनिचरा ग्वालियर-मुरैना रेल लाइन पर पड़ता है। इसी प्रकार करोंदा रेलवे स्टेशन सागर जिले में तो करकबेल स्टेशन नरसिंहपुर जिले में है।

माधव पार्क से निकली बाघिन शिवपुरी में दिखी

संवाददाता ● शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व में रहने वाली बाघिन जिसे हाल ही में पन्ना के टाइगर रिजर्व से लाकर शिवपुरी के टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया था, वह अक्सर टाइगर रिजर्व की सीमाओं को लांघ कर बाहर निकल रही है। हाल ही में वह बाघिन शिवपुरी झांसी रोड क्रॉस करते हुए दिखी।

अक्सर अपनी इस आदत के चलते वह राहगीरों के सामने दहशत पैदा कर देती है, इसी दौरान एक राहगीर ने इसका एक वीडियो भी बनाया है, जिसमें यह मादा टाइगर रिजर्व की सीमा से लगी हुई शिवपुरी झांसी रोड क्रॉस करने की कोशिश में नजर आ रही है। राहगीर ने टाइगर का वीडियो अपने कैमरे में बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और इसकी चहल कदमी वीडियो में खूब आकर्षित कर रही है। शिवपुरी का नेशनल हाईवे नंबर 27 जोकि हैवी ट्रैफिक जोन में आता है। इसके बावजूद यहां वन प्रशासन ने टाइगर रिजर्व को लेकर टाइगर की सुरक्षा के लिए जो इंतजाम किए हैं वह न काफी है। यही वजह है कि जाली और बागड़ का काम पूरा नहीं होने के चलते शिवपुरी के झांसी और रोड स्थित घसाराई के पास इस मादा टाइगर के साथ और टाइगर रिजर्व में रहने वाले टाइगर रोड क्रॉस करते देखे गए हैं।

स्टूडेंट्स ने लगाए गंभीर आरोप

मार्कशीट में गड़बड़ी को लेकर बवाल!

इंदिरा कन्या कॉलेज में प्रदर्शन

संवाददाता ● सतना

सतना के इंदिरा कन्या कॉलेज में हंगामा हो गया, जब एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय परिषद का पुतला जलाया। प्रदर्शन का मुख्य कारण छात्राओं की मार्कशीट से जुड़ी समस्याएं थीं। प्रदर्शन में शामिल छात्राओं ने बताया कि कई छात्राओं को अब तक उनकी मार्कशीट नहीं मिली है। जिन छात्राओं को मार्कशीट मिली भी हैं, उनमें कॉलेज या यूनिवर्सिटी के हस्ताक्षर नहीं हैं।

इस वजह से छात्राएं आगामी परीक्षाओं के फॉर्म नहीं भर पा रही हैं, जिससे उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। छात्राओं ने कहा कि दूरदराज से आने वाली छात्राओं को परीक्षा स्थगन की सूचना समय पर नहीं दी जाती। कई बार जब छात्राएं परीक्षा देने पहुंचती हैं, तब उन्हें बताया जाता है कि परीक्षा स्थगित हो चुकी है। यूनिवर्सिटी की इस लापरवाही ने छात्राओं को मानसिक रूप से परेशान कर दिया है। छात्राओं का आरोप है कि जिन छात्राओं का रिजल्ट गलत आया था, उनमें अब तक सुधार नहीं किया गया है। रिजल्ट सुधार के बावजूद भी अंक नहीं बदले गए, जिससे उन्हें सप्लीमेंट्री परीक्षा देनी पड़ी और अब भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद कॉलेज प्राचार्य डॉ. एके पांडेय मौके पर पहुंचे और एबीवीपी कार्यकर्ताओं से ज्ञापन लिया। इसके बाद उन्होंने छात्राओं से प्रिंसिपल कक्ष में बातचीत की और हर एक समस्या को गंभीरता से सुना। प्राचार्य ने मीडिया को बताया कि समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रोफेसर को रीवा स्थित अवधेश प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी भेजा गया है और बाकी बची हुई मार्कशीट जल्द वितरित की जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि इसी कारण परीक्षा की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है।

एबीवीपी ने विश्वविद्यालय परिषद का पुतला फूंका – प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी के ज़िला संयोजक शिवेंद्र चतुर्वेदी ने लोकल 18 से कहा कि अवधेश प्रताप सिंह रीवा विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना परीक्षा दिए छात्रों से काम कराने के लिए पैसे मांगे जाते हैं और जो छात्राएं परीक्षा देती हैं, उनके रिजल्ट विथहेल्ड कर दिए जाते हैं। एबीवीपी ने कॉलेज प्रशासन और यूनिवर्सिटी को सात दिन की मोहलत दी है। उन्होंने कहा कि यदि इन सात दिनों में सभी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो सभी विभागों में तालाबंदी कर दी जाएगी और चक्का जाम किया जाएगा।

डीएम ऑफिस में घुसा पूर्व शराबी

बोला- आधार कार्ड पर 2 क्वॉर्टर... चकराए अधिकारी

संवाददाता ● ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर कलेक्टर की जनसुनवाई में एक अजीबो गरीब आवेदन आया। आवेदन को जिस भी अधिकारी ने पढ़ा उसके होश उड़ गए। आवेदन नम्बर 154 को लेकर पहुंचे शख्स ने खुद को भूतपूर्व शराबी बताया। मांग की है कि मध्यप्रदेश में कामगार मजदूर को आधार कार्ड के जरिए ही दुकान से शराब मिले। यदि यह नियम लागू हो जाये तो मजदूर के घरवालों के लिए हर दिन दीपावली और हर दिन ईद की तरह होगा। यह आवेदन शराब छोड़ चुका एक मजदूर देने पहुंचा था।

मध्य प्रदेश के अलग-अलग विभागों की हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में यूं तो बहुत से शिकायती आवेदन आते हैं, लेकिन ग्वालियर कलेक्टर की जनसुनवाई में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया। जहां एक शराब छोड़ चुका मजदूर पहुंचा। उसे टोकन नम्बर 154 मिला। लंबे इंतजार के बाद जब उसका नंबर आया तो वह जनसुनवाई में मौजूद अधिकारी एसडीएम विनोद सिंह के पास आवेदन लेकर पहुंच गया। अधिकारी ने जैसे ही आवेदन पड़ा तो वह हैरान हो गए। तत्काल आबकारी विभाग के अधिकारी को बुलाया और आवेदन पर चर्चा के निर्देश दिए। आबकारी विभाग के अधिकारी ने जब उस आवेदनकर्ता से बातचीत की तो उसने बताया कि उसका नाम राजेन्द्र कुमार निवासी गोल पहाड़िया है। राजेंद्र ने यह भी बताया कि वह पेशे से मजदूर है और शराब छोड़ चुका है। ऐसे में वह भूतपूर्व शराबी है। आवेदन के जरिये मजदूर राजेन्द्र ने आबकारी अधिकारी को बताया कि एक आम मजदूर हर रोज मजदूरी कर 600 रुपये कमाता है। लेकिन जगह जगह मिलने वाली शराब को वह पीने का आदि हो गया।

600 रुपये में से वह रात तक 400 रुपये के लगभग की शराब पी जाता है। उसके घरवालों को बड़ी मुश्किल से 200 से 100 रुपये मिल पाते हैं। जिससे घर चलना बहुत मुश्किल होता है। इस पीड़ा से सबक लेकर उसने शराब पीना छोड़ दिया। ऐसे में सभी मजदूरों की शराब की लत को छुड़ाने के लिए एक नियम बना दिया जाए। जिसके तहत मजदूर शराबी को आधार कार्ड के जरिये ज्यादा से ज्यादा 02 शराब के क्वार्टर ही मिले।

जिसे अगवा करने पर काटी जेल छूटते ही उसे फिर किया किडनैप

संवाददाता ● छतरपुर

मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां शाम कॉलेज से लौट रही एक छात्रा का कार सवार बदमाशों ने तमंचे की दम पर अपहरण कर लिया। वारदात के वक्त पीड़ित लड़की ऑटो में सवार होकर घर जा रही थी। परिजन की सूचना पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मामला एकतरफा प्यार का है। आरोपी ने 3 साल पहले भी छात्रा को अगवा किया था।

उस समय लड़की के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए अरेस्ट किया था। इसके बाद आरोपी दो साल तक जेल में रहा और हाल ही में छूट कर बाहर आया है। बाहर आते ही आरोपी ने दोबारा से उसी वारदात को अंजाम दिया है। सूचना मिलने पर हरकत में आई पुलिस ने एक बार फिर से आरोपी और छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए अलग अलग टीमों का गठन कर दिया है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से भी इनकी तलाश कराई जा रही है। मामला नौगांव थाना क्षेत्र के गांव मानपुर के पास का है। ऑटो चालक ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह छात्रा को लेकर उसके घर की ओर जा रहा था। रास्ते में आरोपी ने ओवरटेक कर ऑटो को रोक लिया और लड़की के बाल पकड़ कर खींचते हुए जबरन अपनी कार में बैठा लिया। ऑटो चालक के मुताबिक उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उसकी कनपटी से तमंचा सटा दिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ फ्रेश मुकदमा दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

MP चयन मंडल की परीक्षा स्थगित, ढाई घंटे इंतजार के बाद कहा- आज एग्जाम नहीं होगा

सेंटर पर पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थी परेशान

संवाददाता ● भोपाल

परेशानी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा 15 मई को समूह 1- उप समूह 3 की संयुक्त परीक्षा 2024 आयोजित की गई थी। प्रथम पाली के कैंडिडेट सुबह सुबह 8 बजे से परीक्षा केंद्र में सभी फॉर्मेलिटीज पूरी करने के बाद एग्जाम देने की तैयारी में थे। सुबह 9:00 से उन्हें परीक्षा के लिए आईडी पासवर्ड संबंधित केंद्र द्वारा दिया जाना था।

ढाई घंटे इंतजार करने के बाद करीब 11:30 बजे कैंडिडेट्स को कहा गया कि आज परीक्षा नहीं होगी। इसके बाद जब उनके द्वारा विरोध जताया गया तो उन्हें मध्य प्रदेश कर्मचारी मंडल का एक नोटिफिकेशन दिखाया गया। जिसमें समूह एक- उप समूह तीन संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 की प्रथम पाली को तकनीकी समस्या का कारण बताते हुए स्थगित करने की बात कही गई। कैंडिडेट रुचि शर्मा ग्वालियर से परीक्षा देने भोपाल आई थी। उन्होंने बताया कि उनके साथ सेंटर पर करीब 400 लोग थे, जिसमें गर्भवती महिलाएं भी शामिल थी।

भोपाल के अभिषेक तिवारी ने कहा, परीक्षा का ऐसे बार-बार स्थगित होना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

आधी उम्र की हीरोइन पर भड़का 43 का एक्टर ?

उंगली दिखाकर लगा चिल्लाने

मुंबई में 'है जुनून' की म्यूजिकल नाइट आयोजित की गई। इसमें जबरदस्त परफॉर्मेंस और मनोरंजन के बीच एक ऐसा पल सामने आया जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इस इवेंट में फिल्म की कास्ट मौजूद थी, जिसमें नील नितिन मुकेश और अनुष्का सेन भी शामिल थे। म्यूजिक और डांस के बाद एक और वीडियो भी इसी इवेंट से सामने आया है, जिसने सभी को हैरत में डाल दिया। इस वीडियो को देखने के बाद हर कोई यही सवाल करने लगा कि आखिर माजरा क्या है। सामने आए इस वीडियो को देखने के बाद यही जाहिर हो रहा है कि अनुष्का सेन और नील नितिन मुकेश के बीच कुछ भी ठीक नहीं है। इस वीडियो ने दोनों के बीच चल रही खिटपिट को जाहिर किया है।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही एक क्लिप में नील नितिन मुकेश और अनुष्का सेन के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में नील नितिन मुकेश किसी बात को लेकर अनुष्का से काफी गंभीर तरीके से बात कर रहे हैं। उनके बात करने के लहजे में नाराजगी दिख रही है। अभिनेत्री के चेहरे के हावभाव से ऐसा प्रतीत होता है कि माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गया था। अनुष्का काफी परेशान और घबराई नजर आईं। अनुष्का पर नील चिल्लाने लगे और इसके बाद ही वो उंगली दिखाकर उनसे बात करते हुए आगे बढ़े, लेकिन वो पीछे हटते हुए कुछ कहती हैं। इस वीडियो को पैपराजी पेज ने साझा किया है, हालांकि इसमें ऑडियो स्पष्ट नहीं है। इसके बावजूद इंटरनेट पर यूजर्स ने अनुमान लगाने शुरू कर दिए हैं कि आखिर दोनों कलाकारों के बीच क्या हुआ होगा। कई यूजर्स ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। एक ने पूछा, 'क्या नील नितिन मुकेश अनुष्का सेन से नाराज हैं?' वहीं दूसरे ने लिखा, टकुछ तो बड़ा हुआ है, यह सिर्फ एक आम बातचीत नहीं लगती।' कुछ अन्य कमेंट्स में कहा गया, 'जरूर अनुष्का ने कुछ ऐसा किया होगा जो नील को बुरा लगा।' एक और शख्स ने लिखा, 'नील आमतौर पर शांत रहते हैं, ऐसा क्या हुआ कि वो भड़क गए?' एक नेटिजन्स ने लिखा, 'नील एक अच्छे इंसान हैं, लेकिन ये अंदाज़ काफी अप्रत्याशित था।' वायरल क्लिप के बावजूद अब तक न तो नील नितिन मुकेश और न ही अनुष्का सेन ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान दिया है। दोनों की चुप्पी से जिज्ञासा और बढ़ गई है और फैन्स जानना चाह रहे हैं कि क्या ये महज एक गलतफहमी थी या इसके पीछे कोई गहरी बात है। फिलहाल, इस वायरल पल ने फिल्म है जुनून की चर्चा को एक नए मोड़ पर ला दिया है, जहां मंच पर की गई परफॉर्मेंस से ज़्यादा चर्चा इस कथित झगड़े की हो रही है।

'पिछली कुछ रातें काफी अलग रही हैं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच इन दिनों चल रहे तनाव को लेकर हाल ही में आलिया ने एक बड़ा सा पोस्ट शेयर किया। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। इंडियन आर्मी ने इसके बाद पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पिछली कुछ रातें काफी अलग रही हैं जब कोई देश सांस रोककर किसी चीज का इंतजार करता है तो हवा भी शांत हो जाती है, हम सभी ने बीते दिनों इस अजीब सी शांति को महसूस किया है। ये टेंशन हर एक न्यूज के नोटिफिकेशन में महसूस की गई, हर एक खाने की टेबल पर इसी बात का जिक्र था। हम सभी इस बात को हर दिन सोच रहे हैं कि दूर कहीं पहाड़ों के बीच, मुश्किल हालातों में हमारी सेना के जवान जाग रहे हैं और हर पल खतरे का सामना कर रहे हैं। जब हम घरों में हैं, तो वहां सरहद पर हमारे देश की सेना के जवान भले वो आदमी हों या फिर औरत मुस्तैदी के साथ अपनी नींद और सुकून की कुर्बानी दे रहे हैं, ताकि हम सुकून से सो सकें।

20 साल पहले की थी ये बड़ी गलती

शाहरुख खान के साथ फिल्म 'देवदास' में काम करने के बाद ऐश्वर्या राय को हॉलीवुड से कई फिल्मों के ऑफर मिले। हॉलीवुड के सबसे बड़े एक्टर के साथ काम करने का मौका भी मिला था। लेकिन बिना कोई वजह बताते हुए उन्होंने उस ऑफर को ठुकरा दिया। आगे चलकर उस फिल्म ने दुनिया भर में 4100 करोड़ का कलेक्शन किया। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने साल 1997 में तमिल फिल्म 'इरुवर' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। जब 2003 में कान फिल्म फेस्टिवल में आइकॉनिक फिल्म 'देवदास' दिखाई गई, तो ऐश्वर्या राय को उनके बेहतरीन अभिनय के लिए खूब सराहा गया। ऐश के काम ने पूरी दुनिया को इंप्रेस किया। 'देवदास' के बाद ऐश्वर्या राय को कई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट मिले। उन्हें हॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक ब्रैड पिट के साथ फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज स्मिथ' में काम करने का मौका भी मिला। दुर्भाग्य से, उन्होंने फिल्म करने से इनकार कर दिया और उनकी न के बाद एंजेलिना जोली को ये रोल मिल गया। जब ये फिल्म रिलीज हुई तो इसने छप्परफाड़ कमाई की। यह 2005 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली अमेरिकी फिल्म बन गई।

'स्पिरिट' के लिए दीपिका को मिली सबसे ज्यादा फीस

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास को उनकी चर्चित फिल्म 'स्पिरिट' की एक्ट्रेस मिल गई है। एक बार फिर से प्रभास की हीरोइन दीपिका पादुकोण बनने जा रही हैं। लेकिन इस फिल्म के लिए दीपिका पादुकोण को जो फीस मिल रही है, उसने हर किसी को चौंका दिया है।

दी पिका पादुकोणमां बनने के बाद जोरदार वापसी के लिए तैयार हैं। प्रभास के साथ उन्होंने 2024 में ही ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में स्क्रीन शेयर किया था। अब एक बार फिर से ये जोड़ी फैंस का एंटरटेनमेंट 'स्पिरिट' के जरिए करने वाली है।

दीपिका पादुकोण को स्पिरिट के लिए 20 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस दी गई है। इस रकम के साथ वो भारत में सबसे ज्यादा फीस पाने वाली एक्ट्रेस में से एक बन चुकी हैं। ये रकम उनके अब तक के करियर में भी सबसे ज्यादा है।

दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के लिए जो फीस ली है उससे उन्होंने अपने पति रणवीर सिंह को भी पीछे छोड़ दिया है। रणवीर सिंह की हालिया फिल्म की फीस की बात की जाए तो वो इससे कम रही है। रणवीर ने साल 2024 की मल्टीस्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' में काम किया था। इसका हिस्सा दीपिका भी थीं। अजय देवगन और रोहित शेट्टी की फिल्म के लिए रणवीर को सिर्फ 10 करोड़ रुपये मिले थे। रणवीर की हाल ही की फिल्मों की फीस के मुकाबले दीपिका उनसे आगे निकल चुकी हैं।

दीपिका पादुकोण ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत साल 2007 में आई फिल्म 'ओम शांति ओम' से की थी। इसमें उन्होंने शाहरुख खान के अपोजिट काम किया था। फिल्म हिट साबित हुई और दीपिका ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने 18 साल के करियर में दीपिका ने बेहतरीन फिल्मों की लाइन लगा दी है।

विराट कोहली और अनुष्का बच्चों के साथ पहुंचे घर

विराट कोहली ने कुछ दिनों पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। संन्यास लेने के बाद विराट, अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन में गए थे और वहां प्रेमानंद महाराज से मिले थे और अब विराट घर पहुंच गए हैं। एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जहां विराट और अनुष्का घर पहुंचते हैं और इस दौरान जो अनुष्का की मां का रिएक्शन है उसे देखकर आपके चेहरे पर भी स्माइल आ जाएगी। वीडियो में आप देखेंगे कि अनुष्का की मां बाहर आती हैं और पहले अनुष्का को गले लगाती हैं और फिर एक्ट्रेस की गोद पर बैठे अकाय पर प्यार लुटाती हैं और उसे अपनी गोद में ले लेती हैं तो वहीं वामिका साइड पर थड़े होकर उन्हें देखती हैं और फिर नानी, वामिका को भी प्यार करती हैं और उनके साथ अंदर जाती हैं। इस वीडियो पर फैंस के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। किसी ने लिखा कि कितना क्यूट है, किसी की नजर ना लगे। वहीं बाकी इस पोस्ट पर खूब लव वाले इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। बता दें कि विराट के संन्यास लेने पर अनुष्का ने स्पेशल पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, 'लोग रिकॉर्ड्स और माइलस्टोन्स के बारे में बात करेंगे, लेकिन मुझे वो आंसू याद रहेंगे, वो लड़ाई जो किसी ने नहीं देखी होगी और जो प्यार आपने गेम के इस फॉर्मेट को दिया है। हर टेस्ट सीरीज के बाद आप और समझदार और हम्बल के साथ वापस आए हो और आपको देखना सौभाग्य की बात है।

क्या सामंथा ने पब्लिक में किया राज के साथ अपना रिलेशन?

सामंथा रुथ प्रभु का नाम कुछ दिनों से फिल्ममेकर राज निदिमोरु के साथ जुड़ रहा है। अब दोनों के रिलेशन की खबरें एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में फिल्म शुभम के जरिए प्रोड्यूसर बनी हैं और उन्होंने अब राज के साथ फोटोज शेयर की हैं। बस इसी के बाद से दोनों की डेटिंग की चर्चा होने लगी है। एक फोटो में आप देखेंगे कि सामंथा, राज के साथ नजर आ रही हैं और बाकी की टीम फिल्म बैनर के साथ नजर आ रही है। लेकिन दूसरी फोटो में दोनों की एक कोजी सेल्फी है जिसमें सामंथा ने राज के कंधे पर सिर रखा है जिससे दोनों के क्लोज बॉन्ड पर चर्चा हो रही है। फोटोज शेयर कर सामंथा ने लिखा, थैंक्यू फिल्म देखने के लिए और हमारे साथ शुभम सेलिब्रेट करने के लिए। हमारा पहले स्टेप में दिल भर गया है। वैसे इससे पहले पिछले महीने ही सामंथा और राज को साथ में तिरुपति बालाजी मंदिन में साथ में स्पॉट किया गया था। दोनों ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे थे। सामंथा और राज के प्रोफेशनल एसोसिएशन की शुरुआत द फैमिली मैन सीजन 2 से हुई जहां उनके किरदार राजी को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद दोनों सिटाडेल हनी बनी में साथ में काम करते दिखे और अब दोनों दोबारा रक्त ब्रह्मांड और द फैमिली मैन सीजन 3 में भी साथ काम करने वाले हैं। वैसे बता दें कि सामंथा के फैंस एक्ट्रेस के लिए काफी खुश हैं। नागा चैतन्य से तलाक के बाद से सामंथा काफी अकेली थीं और अब फैंस भी चाहते हैं कि वह जल्द पर्सनल लाइफ में सेटल हो जाएं।

माधुरी ने हाथ आमिर के हाथ थूका

कट बोलने पर भी किस करते रहे विनोद खन्ना

चाहे उन्हें मोहिनी कहिए या धक-धक गर्ल, निशा कहिए या चंद्रमुखी.. माधुरी दीक्षित ने हर किरदार को अपनी अदाओं से अमर बना दिया। आज वो 58 साल की हो गई हैं, लेकिन 90 के दशक का जिक्र हो और माधुरी का नाम न आए, ये हो ही नहीं सकता। उस दौर में उनकी हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाती थी। एक्टिंग हो या डांस, रोमांस हो या एक्शन माधुरी हर रोल में जान डाल देती थीं। माधुरी की प्रोफेशनल लाइफ जितनी कामयाब रही। उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रही। उनका नाम संजय दत्त, अनिल कपूर से लेकर क्रिकेटर अजय जडेजा तक के साथ भी जोड़ा गया। अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। राम लखन, परिंदा और बेटा जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री ने पर्दे पर कमाल दिखाया। इसी दौरान उनके अफेयर की खबरें भी मीडिया में आने लगीं, लेकिन जैसे ही इन खबरों के बारे में अनिल की वाइफ को पता चला तो वह सेट पर अपने बच्चों के साथ पहुंच गईं। कहा जाता है जब माधुरी ने अनिल को अपने परिवार के साथ समय बिताते हुए देखा तो उन्होंने फैसला किया कि अब वह कभी भी उनके साथ काम नहीं करेंगी। हालांकि फिर कई साल बाद दोनों पुकार में साथ नजर आए थे।

सौतेली लड़की को कंट्रोल में रखती हैं दिया मिर्जा?

बेटी की इस हरकत पर लगा दी सबके सामने डांट!

बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस दिया मिर्जा अपने लुक्स स्टाइल और एक्टिंग को लेकर आए दिनों लाइमलाइट में रहती हैं। बता दें कि दीया मिर्जा अपने बयानों की वजह से भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। दीया मिर्जा की प्रोफेशनल लाइफ तो खास सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन वह कोशिश करती हैं कि उनकी पर्सनल लाइफ पर्सनल रहे। दीया पति और बच्चों के साथ ही पब्लिक एरिया में कम ही नजर आती हैं।

वहीं हाल ही में दीया मिर्जा का परिवार के साथ एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि दीया मिर्जा अपनी फैमिली के साथ बाहर डिनर पर गई होती हैं। वहीं डिनर से लौटने के बाद वह आगे निकल जाती हैं और उनके पीछे उनकी सौतेली बेटी उन्हें फॉलो करती हैं, लेकिन अचानक से दीया की सौतेली बेटी जोर से चिल्लाने लगती है और फिर उसके बाद वह हंस देती है। बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर दीया रुक कर पीछे मुड़ती हैं और अपनी बेटी पर गुस्सा करती हैं। वह लड़की को आंखें दिखाकर समझाने की कोशिश करती हैं, लेकिन दीया के साइलेंट एक्सप्रेशन यह बता देते हैं कि उन्हें बेटी की यह हरकत जरा भी पसंद नहीं आती है।

दीया के इस वीडियो को देख यूजर्स के कमेंट्स की लंबी लाइन लग जाती है। जहां एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- जिस तरह से लड़की चिल्ला रही है उसे देखकर सौतेली क्या सगी मां भी गुस्सा करेगी। वहीं दूसरे ने लिखा- दीया ने जो किया एक दम सही किया। वहीं तीसरे यूजर ने लिखा- मुझे समझ नहीं आ रहा है कि अचानक से ऐसे कौन ही चिल्लाता है। बता दें कि इस वीडियो पर लोगों के अलग-अलग रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं।

आपको बता दें कि हाल ही दीया मिर्जा की फिल्म काफिर का जी 5 पर प्रीमियर हुआ था। इसके बाद यह फिल्म खास चर्चाओं में आ गई। इस फिल्म में दीया मिर्जा की बेहतरीन एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है। साथ ही में फिल्म की स्क्रिप्ट लोगों का दिल छू रही है। वहीं फैन्स अब उम्मीद कर रहे हैं कि दीया जल्द ही बड़े पर्दे पर भी कमबैक करें।

झेंग किंवेन इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में

उन्नति और मालविका थाईलैंड ओपन से बाहर, सबालेंका हारी

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत की उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ अपने से ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। ओडिशा मास्टर्स 2022 और अबु धाबी मास्टर्स 2023 विजेता 17 वर्ष की उन्नति को थाईलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 39 मिनट में 21-14, 21-11 से हराया। दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी मालविका को पूर्व विश्व चैम्पियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन ने 21-12, 21-16 से हराया।

सबालेंका को सीधे सेटों में हराया

चीन की ओलंपिक चैम्पियन झेंग किंवेन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका को 6-4, 6-3 से हराकर इटालियन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना कोको गॉफ से होगा। 22 वर्ष की झेंग इससे पहले सबालेंका के खिलाफ छह मैच हार चुकी थी। पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्कारेज ने जैक ड्रेपर को 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अब उनका सामना इटली के लोरेंजो मुसेत्ती से होगा जिसने गत चैम्पियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6, 6-4 से हराया। गाफ ने मिर्रा आंद्रीवा को 6-4, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जैसमीन पाओलिनी का सामना पेटोन स्टीयर्न्स से होगा। बुधवार को ही शीर्ष रैंकिंग वाले यानिक सिनेर ने नये पोप से मुलाकात करके उन्हें टेनिस रैकेट तोहफे में दिया और खेलने का न्यौता भी दिया। पहले अमेरिकी पोप लियो 14 टेनिस के प्रशंसक हैं।

कार्लोस अल्कारेज सेमीफाइनल में

कार्लोस अल्कारेज ने जैक ड्रैपर की कड़ी चुनौती के बावजूद सीधे सेट में जीत के साथ बुधवार को यहां इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि कोको गॉफ ने मीरा एंड्रीवा को सीधे सेट में हराकर महिला एकल के अंतिम चार में प्रवेश किया। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कारेज ने अपनी सर्विस पर आठ में से छह ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए ड्रैपर के खिलाफ 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। अल्कारेज अगले दौर में गत चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव और लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।गॉफ ने एंड्रीवा को 6-4, 7-6 से हराकर तीसरी बार इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया। गॉफ की 18 साल की ऍंड्रीवा के खिलाफ यह चार मैच में चौथी जीत है। उन्होंने इससे पहले 2023 में फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन तथा दो हफ्ते पहले मैड्रिड में भी एंड्रीवा को हराया था।गॉफ अगले दौर में नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका और झेंग किनवेन के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेगी।

इंडिया यूथ गेम्स की ट्रिपल जंप इवेंट

ऑटो चालक के बेटे शेख जिशान ने बनाया नेशनल रिकॉर्ड

एजेंसी ● वाराणसी

संघर्षों की भट्टी में तपकर कुंदन बनने की कहानी को चरितार्थ करते हुए शेख जिशान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के ट्रिपल जंप में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। एक ऑटो चालक के बेटे की यह शानदार उपलब्धि न केवल उसके परिवार के लिए बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और वाराणसी के खेल समुदाय के लिए गर्व का पल है।

बिहार के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित एथलेटिक्स ग्राउंड में 12 से 14 मई तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए, शेख जिशान ने बुधवार को ट्रिपल जंप इवेंट में अपना दमखम दिखाया। उन्होंने 15.66 मीटर की छलांग लगाकर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी कायम किया। शेख जिशान वर्तमान में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज, परमानंदपुर में अध्ययनरत हैं। उनका पैतृक गांव प्रयागराज जनपद के सिसई सिपाह, पोस्ट नसरतपुर में है।

जिशान के पिता अमीनुद्दीन मुंबई में ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी मां एक गृहिणी हैं। जिशान के दो भाई और तीन बहनें हैं। आर्थिक चुनौतियां होने के बावजूद, जिशान ने हार नहीं मानी और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया।

17 मई को चेन्नई में मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स से होगा

केकेआर तैयार : पूरी कैरेबियन फौज वापस लेकर आए ब्रावो

एजेंसी ● मुंबई

कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटोर ड्वेन ब्रावो और रोमारियो शेफर्ड सहित वेस्टइंडीज के कुछ अन्य खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फिर से शुरू होने से पहले भारत लौट आए हैं। 17 मई को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच के होगा। वेस्टइंडीज के स्टार ड्वेन ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक स्टार खिलाड़ी के रूप में कई साल भारत में बिताए, अपनी बेहतरीन मध्यम गति की गेंदबाजी और निचले क्रम की पावर-हिटिंग से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने के बाद उन्होंने पहले सीएसके में गेंदबाजी कोच के रूप में आईपीएल से अपना जुड़ाव बनाए रखा और फिर केकेआर में मेंटोर के रूप में शामिल हुए। बुधवार को, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो के साथ आईपीएल के शेष भाग के लिए भारत लौटने की पुष्टि की। वीडियो में, ब्रावो को एक हवाई अड्डे पर इलेक्ट्रिक वाहन में बैठे हुए दिखाया गया है और जब उनसे पूछा जाता है कि वे कैसे हैं (हिंदी में) तो वे 'हम वापस आ गए हैं' कहते हुए सुनाई देते हैं। ब्रावो की इंस्टाग्राम स्टोरी पर केकेआर के विदेशी सितारे आंद्रे रसेल और सुनील नरेन भी देखे गए। भारत और पाकिस्तान के बीच हिंसक संघर्ष के कारण 9 मई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 को निलंबित किए जाने के बाद ब्रावो अन्य विदेशी खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत से चले गए थे। बीसीसीआई ने भारत-पाक के बीच युद्ध विराम पर सहमति जताने के बाद आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने की घोषणा की है, जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने विदेशी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को आईपीएल के शेष मैचों के लिए भारत लौटने के लिए तत्काल संदेश भेजा है।

26 मई को हैदराबाद से होगा मैच– केकेआर को लीग चरण में दो मैच खेलने हैं। 17 मई को आरसीबी के साथ खेलने के बाद, वे 26 मई को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे।

नवी मुंबई में हाई परफॉर्मेंस शूटिंग सेंटर शुरू होगा

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत में खेलों की पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के एक बैंक ने लक्ष्य शूटिंग क्लब (एलएससी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत नवी मुंबई में हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी)' की स्थापना की जाएगी। लक्ष्य शूटिंग क्लब की चेयरमैन और एक शानदार कोच सुमा शिरूर ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह विशेष शूटिंग सेंटर विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, समग्र एथलीट विकास कार्यक्रम, और सामुदायिक सहभागिता गतिविधियां प्रदान करेगा ताकि उभरते हुए शूटर्स को संवारने में सहायता मिल सके। यह सेंटर ओलंपिक स्तर के एलीट शूटर्स को प्रशिक्षित करेगा और संभावित प्रतिभाओं को पहचानने के लिए एक खुला और समावेशी मंच तैयार करने का प्रयास करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य शूटिंग खेलों में भारत को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर करना है।

बिजनेस न्यूज

ग्रीन इंडिया की राह में अब कूलिंग भी स्मार्ट

संवाददाता ● इंदौर

गर्मियों में एयर कंडीशनर सिर्फ राहत नहीं, अब स्मार्ट सिटी के विकास की जरूरत भी बन चुका है। घर हो या ऑफिस, बेहतर कूलिंग के साथ एनर्जी सेविंग भी उतनी ही जरूरी हो गई है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग ने इंदौर में 'हिताची एक्सचेंज' वर्कशॉप का आयोजन किया। यह आयोजन खासतौर पर आर्किटेक्ट्स और एचवीएसी कंसल्टेंट्स के लिए था, ताकि वे आधुनिक और टिकाऊ कूलिंग तकनीकों से रूबरू हो सकें। वर्कशॉप में हिताची की नई जापानी तकनीक, ऊर्जा-कुशल सिस्टम और ग्रीन बिल्डिंग के लिए जरूरी कूलिंग समाधानों पर चर्चा हुई।

फील्ड ऑपरेशंस डायरेक्टर वर्गीस जोसेफ ने कहा, 'इंदौर में हिताची एक्सचेंज सिर्फ एक वर्कशॉप नहीं, बल्कि भविष्य के टिकाऊ भारत की नींव है। आज जब देश 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की ओर बढ़ रहा है, तब हमें ऐसे समाधान चाहिए, जो एनर्जी सेविंग के साथ परफॉर्मेंस भी दें। आर्किटेक्ट्स और कंसल्टेंट्स हमारी तकनीक को सही दिशा में ले जा सकते हैं। हमारा लक्ष्य है हर भारतीय को बेहतर, भरोसेमंद और पर्यावरण के अनुकूल कूलिंग देना।' आईजीबीसी के अनुसार, मध्यप्रदेश में 500.4 मिलियन वर्ग फीट ग्रीन फुटप्रिंट में से अकेले इंदौर में 478.3 मिलियन वर्ग फीट की टिकाऊ परियोजनाएँ हैं। यही नहीं, हिताची की यह मुहिम देशभर में 600 से ज्यादा आर्किटेक्ट्स और सलाहकारों को जोड़ने वाली है, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'नेट ज़ीरो' जैसे बड़े लक्ष्य और मजबूत होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ जानकारी साझा करना नहीं था, बल्कि भारत को स्मार्ट, टिकाऊ और आत्मनिर्भर बनाने के सफर में सभी प्रोफेशनल्स को एकजुट करना भी था। इंदौर, पहले ही ग्रीन बिल्डिंग के मामले में प्रदेश में सबसे आगे है।

बैटलग्राउंड का धमाकेदार समापन

संवाददाता ● मुंबई

अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर जबरदस्त जोश, जबरदस्त जुनून और भावनाओं से भरे पलों के बीच 'बैटलग्राउंड' का शानदार समापन हुआ। शो के अंतिम पड़ाव पर, रौनक गुलिया और निखिल सिंह क्रमशः महिला और पुरुष श्रेणी में विजेता के रूप में उभरे। सुपर- मेंटर शिखर धवन और मेंटर्स, अभिषेक मल्हान, रुबीना दिलैक, नीरज गोयत और रजत दलाल के कुशल मार्गदर्शन में प्रतियोगियों को शारीरिक ताकत, मानसिक चतुरता और भावनात्मक संतुलन की कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ा, कई सप्ताह तक चले इस हाई-ऑक्टेन मुकाबले का ग्रैंड फिनाले एक दमदार और यादगार अंत साबित हुआ।

एक अनोखे फिटनेस रियलिटी शो के रूप में लॉन्च किए गए बैटलग्राउंड ने देशभर के युवाओं के बीच खास पहचान बनाई और दिलों को छू लिया। फिनाले वीक में शो ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं, जिसमें सांसें रोक देने वाले मुकाबले, बदलते गठजोड़ और और दिल को छू लेने वाले भावनात्मक क्षण शामिल थे, जिसने शो की असली भावना को परिभाषित किया। चाहे बात हो चुनौतीपूर्ण टास्क्स की या गेम-पलट देने वाले पावरप्ले की, दिल्ली डॉमिनेटर्स से रौनक गुलिया और हरियाणा बुल्स से निखिल सिंह ने हर कदम पर दमदार प्रदर्शन किया। आखिरी टक्कर में, रौनक ने निशा को एक बेहद रोमांचक मुकाबले में हराया, वहीं निखिल ने राजा को 'टाइटन्स की टक्कर' में पछाड़ते हुए जीत अपने नाम की, दोनों ने खुद को साबित करते हुए 'भारत के पहले अल्टीमेट फिटनेस सुपरस्टार' का खिताब हासिल किया। अपनी टीम को सबसे कठिन चुनौतियों से निकालने वाले अभिषेक मल्हान ने बहुत गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे रौनक और पूरी दिल्ली डॉमिनेटर्स टीम पर बेहद गर्व है।

टीसीआई ने वित्त वर्ष 2025 के दमदार नतीजों की घोषणा की, खूब मुनाफा कमाया

संवाददाता ● गुरुग्राम

भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है।

बहुआयामी प्रदर्शन अंतर्दृष्टियों को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए, टीसीआई के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल ने कहाः "वित्त वर्ष 2025 टीसीआई के लिए प्रणालीगत विकास का वर्ष रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं की बदलती परिस्थितियों के बावजूद, हमारे मल्टीमोडल एकीकरण, स्थिरता और डिजिटलीकरण पर केंद्रित दृष्टिकोण ने हमारी प्रगति को निर्णायक वेग प्रदान किया है।"

हम त्वरित वाणिज्य, रिटेल और कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स क्षेत्रों में उपभोग-आधारित वेयरहाउसिंग की मांग को मापते रहे हैं, तथा बल्क गुड्स, भारी मशीनरी और बड़े उपकरणों के लिए भी हमने अपनी विशेष लॉजिस्टिक्स और मल्टीमोडल समाधान क्षमताओं को सुदृढ़ किया है। रेल और तटीय परिवहन में स्मार्ट संसाधनों का यथोचित उपयोग करते हुए, हमने उच्च क्षमता वाले 40-फुट, 40-टन कंटेनरों, फिक्स्ड चेसिस यूनिट्स और ISO कंटेनरों के साथ अपनी संचालन क्षमता और विस्तारशीलता को बढ़ाया है। संधारिता हमारे नवाचार रोडमैप का अभिन्न हिस्सा है, जो हमारे बेड़े में ईवी और एलएनजी ट्रकों के अवशोषण और नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित वेयरहाउसिंग द्वारा रेखांकित है। टीसीआई-आईआईएम सप्लाई चेन सस्टेनेबिलिटी लैब द्वारा विकसित TEMT - भारत का पहला ISO-प्रमाणित टूल, अब नीदरलैंड्स के स्मार्ट फ्रेट सेंटर द्वारा भी माल परिवहन के डीकार्बोनाइजेशन में अपने योगदान के लिए प्रशंसित है।

डायमंड लीग से अभियान शुरु करेंगे नीरज

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को यहां अपने डायमंड लीग अभियान की शुरूआत करेंगे तो उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से चोपड़ा को यहां काफी समर्थन मिलेगा। उनका सामना दो बार के विश्व चैम्पियन और 2024 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वाडलेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पर्धाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के ही किशोर जेना भी 11 प्रतियोगियों में से हैं। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवे स्थान पर रहे थे। वाडलेश ने यहां 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था जबकि चोपड़ा दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने सबसे पहले 2018 में यहां डायमंड लीग में भाग लिया था और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2023 में यहां खिताब जीता और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे। विश्व रिकॉर्डधारी कई बार के ओलंपिक चैम्पियन चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी से कोचिंग ले रहे चोपड़ा ने कहा, 'कतर में भारतीयों से मिलने वाले समर्थन से मैं हमेशा अभिभूत रहता हूं ।

पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी को लेकर कही यह बात

मैं और अरशद नदीम कभी करीबी दोस्त नहीं थे – नीरज चोपड़ा

एजेंसी ● दोहा

दोहा स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह और अरशद नदीम कभी करीबी दोस्त नहीं थे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी। पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अब स्थगित हो चुके एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम को आमंत्रित करने के कारण नीरज को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। नीरज ने आरोप लगाया था कि उन्हें और उनके परिवार को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। इतना ही नहीं नदीम ने एनसी क्लासिक में हिस्सा लेने से भी मना कर दिया था। बाद में नीरज ने बताया था कि न्योता पहलगाम हमले से दो दिन पहले भेजा गया था। साथ ही उन्होंने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया था।

दोहा में डायमंड लीग की पूर्व संध्या पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन से जब नदीम के साथ उनके समीकरण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस पर बयान दिए। नदीम ने पिछले साल पेरिस खेलों में स्वर्ण पदक जीता था, वहीं नीरज ने रजत पदक अपने नाम किया था। जबकि 2021 में टोक्यो संस्करण में भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष स्थान हासिल किया था। तब नदीम कोई पदक नहीं जीत सके थे। नीरज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सबसे पहले मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि मेरे नदीम के साथ बहुत मजबूत संबंध नहीं हैं। हम कभी भी करीबी दोस्त या कुछ और नहीं रहे। लेकिन इसके (भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव) कारण, यह पहले जैसा भी नहीं रहेगा। हालांकि, अगर कोई मुझसे सम्मानपूर्वक बात करता है तो मैं भी सम्मान के साथ बात करता हूं। एक एथलीट के तौर पर हमें बात करनी ही होगी। न केवल भाला फेंक में, बल्कि अन्य स्पर्धाओं में भी दुनिया भर के एथलीट समुदाय में मेरे कुछ अच्छे दोस्त हैं। अगर कोई मुझसे सम्मानपूर्वक बात करता है, तो मैं भी उससे पूरे सम्मान के साथ बात करूंगा।' नीरज ने कहा, 'भाला फेंक एक बहुत छोटा समुदाय है और हर कोई अपने देश के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहा है और हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता है।' हरियाणा के इस स्टार भालाफेंक खिलाड़ी को नदीम को न्योता भेजने पर अपमान सहना पड़ा था। बाद में नीरज ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि नदीम को न्योता पहलगाम आतंकी हमले से दो दिन पहले भेजा गया था।

'मेरे परिवार के लिए अपशब्द कहे गए...'

एनसी (नीरज चोपड़ा) क्लासिक भालाफेंक में भाग लेने के लिए देश विदेश से कई खिलाड़ी आने वाले थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद अरशद की भागीदारी का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन थ्रो टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अरशद नदीम को आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत सारी बातें हुई हैं और इसमें से अधिकांश नफरत और दुर्व्यवहार हैं। उन्होंने मेरे परिवार को भी नहीं छोड़ा। पहलगाम में आतंकवादी हमलों के बाद एनसी क्लासिक में अरशद के होने का सवाल ही नहीं उठता।' उन्होंने कहा, 'मैं कम बोलता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर जब बात इस देश के प्रति मेरे प्यार और सम्मान और मेरे परिवार के सम्मान पर सवाल उठाने की आती है। मेरा देश और उसका हित हमेशा पहले आएगा। उन लोगों के लिए जो पहलगाम आतंकी हमले में अपने लोगों के नुकसान को झेल रहे हैं, मेरे विचार और प्रार्थनाएं आपके साथ हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने सीरिया पर लगाए गए सभी बैन हटाने का ऐलान किया, इसके बाद सीरिया की राजधानी दमिश्क में लोगों ने जश्न मनाना शुरू किया, और समर्थन में नारेबाजी की।

शॉट न्यूज

जेल में तड़प रहे इमरान खान को कोर्ट से बड़ी राहत

इस्लामाबाद। लगभग दो साल से जेल की सलाखों के पीछे बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान आज भी अमानवीय यातनाएं झेलने को मजबूर हैं। अदियाला जेल में उनके साथ किया जा रहा व्यवहार न सिर्फ बर्बर है, बल्कि इंसानियत पर भी सवाल खड़े करता है। पहली बार उनके बेटों सुलेमान और कासिम खान ने दुनिया के सामने अपने पिता की दर्दभरी दास्तान बयां करते हुए ये बातें कहीं थी। उन्होंने शहबाज़ शरीफ सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि न उनके पिता को किसी से मिलने दिया जाता है और न ही उन्हें फोन पर बात करने का मौका मिलता है। बेटों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाई थी कि इमरान खान की हालत पर ध्यान दिया जाए। इस बीच, इस्लामाबाद की एक विशेष अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए जेल प्रशासन को फटकार लगाई है। इस्लामाबाद की विशेष अदालत ने आदेश दिया कि इमरान खान को उनके दोनों बेटों से विदेश में फोन पर बात करने की इजाजत दी जाए और साथ ही उन्हें अपने निजी डॉक्टर से स्वास्थ्य जांच करवाने की सुविधा भी मिले। अदालत ने स्पष्ट किया कि ये आदेश इंसानी हक और कानून के मुताबिक दिए गए हैं।

भारत विरोधी तुर्की संभाल रहा आठ एयरपोर्ट की सुरक्षा

नई दिल्ली। हाल ही में हुए भारत-पाक के बीच टकराव के वक्त तुर्की पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया। इस दौरान तुर्की ने पाकिस्तान को सशस्त्र ड्रोन और ऑपरेटर मुहैया कराए है। गौर करने वाली बात यह है कि तुर्की की जॉइंट वेंचर कंपनी सेलिबी एविएशन दिल्ली, मुंबई और चेन्नई सहित आठ भारतीय एयरपोर्ट्स पर हाई सिक्योरिटी से जुड़ा कार्य संभालती है। यह भारत में सालाना 58 हजार फ्लाइट्स का मैनेजमेंट संभालती है। सेलिबी एविएशन द्वारा भारत में किए जाने वाले कई कार्य खास तौर पर ग्राउंड हैंडलिंग, कार्गो प्रबंधन और एयरसाइड ऑपरेशन्स से जुड़े काम हैं, जो हाई सिक्योरिटी कार्य माने जाते हैं। सेलिबी एविएशन के कर्मचारी एयरसाइड ज़ोन में काम करते हैं, जो एयरपोर्ट्स के हाई सिक्योरिटी वाले क्षेत्र हैं और विमानों के सीधे संपर्क में आते हैं। सेलेबी के कर्मचारी कार्गो लॉजिस्टिक्स और पैसेंजर्स बैगेज भी संभालते हैं, जिसमें इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए निर्धारित सामान शामिल हैं। साल 2008 में अपनी शुरुआत के बाद से, सेलेबी ने भारत के विमानन सेक्टर में अपना विस्तार किया है।

नेता मीर यार बलूच ने कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

बलूच नेता ने पाक से आजादी का ऐलान किया

एजेंसी ● इस्लामाबाद

बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना 'राष्ट्रीय फैसला' दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो।

अपील

उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। मीर

यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया

मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं।

आजादी के लिए लड़ रहा है बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का शोषण हो रहा है और बलूच लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। यह संगठन पाकिस्तानी सेना, सरकार और चीनी प्रोजेक्ट्स जैसे सीपीईसी को निशाना बनाता रहा है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों के नाम बदले

एजेंसी ● नई दिल्ली

चीन ने अरुणाचल को लेकर अपना प्रोपेगैंडा वॉर भी फिर छेड़ दिया है। उसने अरुणाचल की 27 जगहों के नाम बदले हैं। इनमें 15 पहाड़, 5 कस्बे, 4 पहाड़ी दर्रे, 2 नदियां और एक झील शामिल है। चीन ने ये लिस्ट अपनी सरकारी वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स पर जारी भी की है। इन जगहों के नाम मैंडेरिन (चीनी भाषा) में रखे गए हैं। दावा है कि बीते 8 सालों में चीन ने अरुणाचल की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा- नाम बदलने की चीन की यह हरकत मूर्खतापूर्ण है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। चीन ने नाम बदलने में रचनात्मकता दिखाई है,

हरकत

लेकिन अरुणाचल भारत का अटूट हिस्सा है। चीन अरुणाचल में अपना दावा जताने की कोशिश में इसके शहरों, गांवों, नदियों आदि के नाम बदलता रहा है। इसके लिए वह चीनी, तिब्बती और पिनयिन नाम देता है, लेकिन जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का रुतबा बढ़ रहा होता है ठीक उसी समय चीन की यह हरकत सामने आती है। 2023 में भारत ने G-20 शिखर सम्मेलन के समय एक बैठक अरुणाचल में की थी तब भी चीन ने इस क्षेत्र में कुछ नाम बदलने की घोषणा की थी। इससे पहले 2017 में दलाई लामा जब अरुणाचल आए थे तब भी नाम बदलने की हरकत की थी।

2024 में भी 20 जगहों के नाम बदले थे

चीन ने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सिविल अफेयर मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी थी। हांगकांग मीडिया हाउस साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें से 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ते थे। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया गया था। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे।

कनाडा में सिख व्यापारी की हत्या

धमकियों के बाद मारी गोली, पील पुलिस ने 21 गिरफ्तार किए, जबरन वसूली से जुड़ा मामला

एजेंसी ● अमृतसर

कनाडा के मिसिसॉगा शहर में ट्रकिंग सेफ्टी और कंप्लायंस व्यवसाय चलाने वाले हरजीत सिंह धड्डा की 14 मई, 2025 को दोपहर के समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना डिक्सन और डेरी रोड के पास ट्रैनमेरे ड्राइव और टेलफोर्ड वे के पास हुई। मूल रूप से भारतीय राज्य उत्तराखंड के बाजपुर के रहने वाले हरजीत सिंह धड्डा को कुछ समय से अज्ञात व्यक्तियों से धमकी भरे कॉल और संदेश मिल रहे थे। इन धमकियों में उनसे पैसे मांगे जा रहे थे और पैसे न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई थी। पील क्षेत्रीय पुलिस ने हाल ही में दक्षिण एशियाई व्यवसायों को निशाना बनाकर जबरन वसूली और हिंसक घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। घटना के चश्मदीदों के अनुसार पीड़ित व्यक्ति अपने ट्रक के बाहर खड़ा था, जब उस पर गोलीबारी की गई। कुछ लोगों ने बताया कि फायरिंग से पहले एक कार पीड़ित के पास आती दिखी थी। एक प्रत्यक्षदर्शी, जो घटनास्थल के सामने की सड़क पर काम कर रहा था, ने बताया कि उसने 15 से 16 गोलियों की आवाज़ें सुनीं। चश्मदीदों के अनुसार फायरिंग के दौरान घटना स्थल के पास की लॉ फर्म की खिड़की में भी गोली लगी।

210 मेड इन अमेरिका विमान खरीदेगा कतर

कतर-अमेरिका के बीच सौ लाख करोड़ का समझौता

एजेंसी ● दोहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कतर के अमीर शेख तामिन बिन हमद अल-थानी के बीच बुधवार को दोहा में 1.2 ट्रिलियन डॉलर (करीब 100 लाख करोड़ रुपए) की अलग-अलग डील हुई। व्हाइट हाउस के मुताबिक इसमें दोनों देशों के बीच 243 अरब डॉलर (करीब 20 लाख करोड़ रुपए) की फाइनेंशियल डील भी शामिल है। इस फाइनेंशियल डील में कतर एयरवेज द्वारा बोइंग विमानों की खरीद, हथियारों की खरीद, नेचुरल गैस और क्वांटम टेक्नोलॉजी से जुड़े सौदे

समझौता

शामिल हैं। कतर एयरवेज ने बोइंग और जीई एयरोस्पेस के साथ 210 मेड इन अमेरिका 'बोइंग 787 ड्रीमलाइनर' और '777एक्स' विमानों की खरीद का समझौता किया। इसकी वैल्यू 96 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) है। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल के पहले विदेशी दौरे के तहत बुधवार को सऊदी अरब के बाद कतर पहुंचे। कतर के अमीर ने खुद ट्रम्प को दोहा एयरपोर्ट पर रिसीव किया। उनका रेड साइबर ट्रक और ऊंटों से स्वागत हुआ। अपने मिडिल ईस्ट दौरे के आखिरी दिन यानी आज ट्रम्प यूएई पहुंचेंगे। यहां वो यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और एनर्जी से जुड़े मुद्दों पर डील हो सकती है।

सऊदी में सीरियाई राष्ट्रपति से मिले ट्रम्प- इससे पहले ट्रम्प ने रियाद में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा उर्फ अबु मोहम्मद अल-जुलानी के साथ मुलाकात की थी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 के बाद पहली बार है जब अमेरिका और सीरिया के राष्ट्र प्रमुख की मुलाकात हुई। अमेरिका ने जुलानी पर 1 मिलियन डॉलर (करीब 85 करोड़ रुपए) का इनाम रखा था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में जुलानी के अंतरिम राष्ट्रपति बनने के बाद यह इनाम हटा लिया गया था।

ट्रम्प ने सीरिया पर लगे सभी बैन हटाए

डोनाल्ड ट्रम्प ने सीरिया पर लगाए गए सभी बैन हटाने का ऐलान किया था। उन्होंने तुर्किये और सऊदी अरब की अपील पर ऐसा किया था। सीरिया पर अमेरिकी प्रतिबंध हटाने का जश्न देशभर में मनाया जा रहा है। लोग सड़कों पर देश के झंडे के साथ खुशियां मना रहे हैं। दरअसल, सीरिया में पिछले साल दिसंबर में बशर अल असद का तख्तापलट किया गया था। असद के समय सीरिया को ईरान का समर्थन माना जाता था। तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट तहरीर अल शाम (एचटीएस) के लड़ाकों ने सरकार बनाई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)